भीम प्रज्ञा अलर्ट

'सुबह का एक छोटा सा सकारात्मक विचार आपका पूरा दिन बदल सकता है।'

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-33 | झुंझुनू (राजस्थान) | मंगलवार, 23 दिसंबर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

न्यूज विंडो

देर रात 11.30 बजे जयपुर पहुंचे रोहित शर्मा

शार्दूल ठाकुर भी मुम्बई से आए साथ, विजय हजारे ट्रॉफी के 24 दिसंबर से जयपुर में होंगे मुकाबले

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । जयपुर के क्रिकेट प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। पिंकसिटी एक बार फिर देश के दिग्गज क्रिकेटरों के रोमांचक मुकाबलों की साक्षी बनने जा रही है। रोहित शर्मा सोमवार देर रात 11:30 बजे जयपुर एयरपोर्ट पहुंचे। रोहित शर्मा की फ्लाइट डिले होने हो गई थी। इन्हें 10 बजे पहुंचना था। रोहित के साथ महाराष्ट्र के साथी प्लेयर शार्दूल ठाकुर भी मौजूद रहे।

विजय हजारे ट्रॉफी के सी ग्रुप के मुकाबले की मेजबानी इस बार राजस्थान क्रिकेट संघ (RCA) को मिली है। टूर्नामेंट का आयोजन 24 दिसंबर से 8 जनवरी तक जयपुर में किया जाएगा। रोहित शर्मा और शुभमन गिल विजय हजारे ट्रॉफी के मुकाबलों में जयपुर की पिच पर खेलते नजर आएंगे। इस प्रतिष्ठित घरेलू वनडे टूर्नामेंट में भारतीय क्रिकेट टीम के कई बड़े सितारे खेलते नजर आएंगे। जानकारी के अनुसार रोहित शर्मा टूर्नामेंट के शुरुआती दो मैच ही खेलेंगे। इनके अलावा ऋतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, अर्शदीप सिंह, शार्दुल ठाकुर और सरफराज खान जैसे इंटरनेशनल क्रिकेटर भी जयपुर के मैदान पर खेलते नजर आएंगे। वहीं सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर भी गोवा टीम की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी के मैच खेलने जयपुर आएंगे।

राजस्थान में बजरी माफिया से सांठगांठ पर 5 SHO सस्पेंड

6 थानाधिकारी लाइन हाजिर; 15 पुलिसकर्मियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के आदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान में बजरी माफिया से पुलिस अधिकारियों की मिलीभगत को लेकर पुलिस मुख्यालय ने कड़ा एक्शन लिया है। जयपुर समेत 4 जिलों के 5 थानों के SHO को सस्पेंड किया है। इसके अलावा 5 जिलों के 6 थानों के SHO को लाइन हाजिर किया है।

पुलिस मुख्यालय की सतर्कता शाखा (विजिलेंस ब्रांच) ने 18 और 19 दिसंबर को प्रदेशभर में बजरी के अवैध खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ डिकॉय ऑपरेशन चलाया था। इस दौरान ड्यूटी में गंभीर लापरवाही सामने पर इन पुलिस अधिकारियों पर एक्शन लिया गया है।

भीम प्रज्ञा कविता

अरावली की पीड़ा?

'मान' मरुधरा का अरावली,
'करण कवच' सा रक्षक भी।
प्रबल प्रहरी 'थार, को थामे,
हरित चीर सी शोभा भी।।

संकट विकट सहे स्वयं ने
पर्यावरण का पोषक यह ।
पथराये चक्षु नीर बहाये ,
प्यासी भूमि का स्रोत है यह।।

राजस्थान के प्राण बसे हैं,
मत तोड़ो इन ढालों को।
बिलखोगे, तरसोगे, बक्शो!,
इन डूंगर अलबेलो को ।।

प्रस्तर नहीं, मां का आंचल,
धीर पिता की बाहें यह।
संकट में वीरों का आश्रय,
दुश्मन का संहारक यह।।

बिन इनके अग्नि बरसेगी,
वर्षा बिन मरुधर तड़पेगी ।
हरा चीर जो छिन्न हुआ तो,
विष बयार ,मृत्यु विचरेगी।।

आज आडावल सहम रहा,
मरुधर की माटी शंकित ।
प्रकृति के क्रंदन को समझें,
त्यागें विनाश की युक्ति।।

अरावली सदियों से प्रहरी,
सदैव हम पर बलिहारी।
करें सुरक्षित विश्व धरोहर,
अब हमारी है बारी।।

ब्रजराज सिंह जी राजावत
लेखक एवं चित्रकार

गहलोत बोले- केंद्रीय मंत्री यादव अरावली पर झूठ मत बोलिए:

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । मंत्री भूपेंद्र यादव आप राजस्थान से हैं। संरक्षित क्षेत्र' के नाम पर अरावली में केवल 0.19' नई माइनिंग का झूठ मत बोलिए। जून 2025 में आप सरिस्का का संरक्षित क्षेत्र बदलकर खनन शुरू करना चाहते थे। अब इसी सरिस्का मॉडल पर ही भविष्य में बाकी अरावली का संरक्षित क्षेत्र बदलेगा? गहलोत ने कहा- भाजपा जनता को आंकड़ों में उलझाकर बरगलाने का प्रयास कर रही है।

जनवरी में पंचायतीराज संस्थाओं का बदलेगा नक्शा

पंचायतों में करीब 45 हजार वार्ड-पंचों के पद बढ़ेंगे

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान में नए साल के पहले सप्ताह तक पंचायतीराज संस्थाओं के वार्डों का नक्शा बदल जाएगा। सभी ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों के वार्ड नए सिरे से बनाए जा रहे हैं। प्रदेश की ग्राम पंचायतों में 45,000 से ज्यादा नए वार्ड बनेंगे, जबकि पंचायत समितियों में भी करीब 1,000 वार्डों की संख्या बढ़ेगी। इस बार पंचायत चुनावों में 45 हजार से ज्यादा नए वार्ड पंच चुने जाएंगे।

पंचायतीराज विभाग ने सभी कलेक्टरों को सर्कुलर भेजकर अगले 2 सप्ताह में वार्डों के पुनर्गठन का काम पूरा करने के आदेश दिए हैं। प्रदेश में 3,441 नई ग्राम पंचायतें बनी हैं, जिससे अब 14,635 ग्राम पंचायतें हो चुकी हैं। इसके साथ ही 85 नई पंचायत समितियां और 8 नई जिला परिषद भी बनी हैं, जिससे अब 450 पंचायत समितियां और 41 जिला परिषद हो गई हैं। इन सभी में भी वार्डों की संख्या बढ़ेगी। पंचायतों के वार्डों के पुनर्गठन (डिलिमिटेशन) की अधिसूचना एसडीएम जारी करेंगे, जबकि जिला परिषद और पंचायत समितियों के वार्डों के पुनर्गठन की अधिसूचना कलेक्टर जारी करेंगे।

हर पंचायत में कम से कम सात वार्ड होंगे, पहले पांच थे

नए मापदंडों के हिसाब से अब हर 3,000 की आबादी वाली ग्राम पंचायत में कम से कम 7 वार्ड होंगे। पहले हर पंचायत में 5 वार्ड होते थे। नए मापदंडों के लागू होने से औसतन हर पंचायत में 2 वार्ड बढ़ेंगे। पुरानी 11 हजार पंचायतों में ही करीब 22 हजार वार्ड बढ़ेंगे। इसके अलावा 3,441 नई पंचायतों में हर पंचायत में औसतन 7 वार्ड के हिसाब से 24 हजार वार्ड बढ़ेंगे। इस तरह नई और पुरानी पंचायतों को मिलाकर लगभग 45 हजार वार्ड बढ़ेंगे। हालांकि, जनसंख्या के हिसाब से इस संख्या में कुछ बदलाव भी हो सकता है।

3000 की जनसंख्या वाली पंचायत में 7 वार्ड पंच

ग्राम पंचायतों में तीन हजार तक की जनसंख्या के लिए सात वार्ड रखे जाने का प्रावधान है। किसी ऐसी ग्राम पंचायत के मामले में जिसकी जनसंख्या 3000 से ज्यादा है तो वहां हर एक हजार या उसके भाग के लिए 2 और वार्ड बढ़ेंगे।

पंचायत समितियों में एक लाख की जनसंख्या पर 15 वार्ड

पंचायत समितियों में एक लाख तक की जनसंख्या पर 15 वार्ड रखे जाने का प्रावधान है। एक लाख से ज्यादा जनसंख्या पर हर 15 हजार पर दो वार्ड बढ़ेंगे। अगर किसी पंचायत समिति की जनसंख्या 1 लाख 15 हजार है तो वहां 17 वार्ड होंगे।

जिला परिषदों में 4 लाख की जनसंख्या पर 17 वार्ड

जिला परिषदों में चार लाख तक की आबादी वाली किसी परिषद में 17 वार्ड रखने का प्रावधान है। जिस जिला परिषद की जनसंख्या चार लाख से ज्यादा है, वहां हर एक लाख की आबादी पर 2 वार्ड बढ़ेंगे। किसी जिला परिषद की जनसंख्या 5 लाख है तो वहां 19 वार्ड और 6 लाख है तो 21 वार्ड होंगे।

हर संस्था में वार्डों की संख्या विषम रखने के आदेश

पंचायतीराज विभाग ने कलेक्टरों को वार्डों का पुनर्गठन करने के लिए विस्तार से निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों के अनुसार सभी पंचायतीराज संस्थाओं के वार्ड नए सिरे से बनाने को कहा है। सभी वार्डों में जनसंख्या को बराबर रखने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही हर पंचायतीराज संस्था में वार्डों की संख्या विषम (ओड नंबर) में रखना होगा।

पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषदों के सभी वार्ड बदलेंगे

ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषदों के मौजूदा वार्डों में बड़ा फेरबदल होने जा रहा है। नई पंचायतें, पंचायत समितियां बनने से भी वार्ड बदलेंगे। वार्डों के पुनर्गठन और सीमाएं बदलने से उनके नंबर भी बदलेंगे। इस बार हर पंचायतीराज संस्था के वार्ड नंबरों में भारी बदलाव होना तय है। अभी वार्डों का सीमांकन और पुनर्गठन हो रहा है, आगे इसी आधार पर चुनाव होगा।

मनरेगा का नाम बदलने पर कांग्रेस का प्रदर्शन:चूरू में भाजपा पर लगाया योजना को कमजोर करने का आरोप

भीम प्रज्ञा न्यूज

चूरू । चूरू जिला कलेक्ट्रेट के सामने सोमवार को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का नाम बदलने और उसे कमजोर करने के विरोध में जिला स्तरीय धरना प्रदर्शन किया गया। चूरू जिला कांग्रेस कमेटी ने यह प्रदर्शन मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाने और रोजगार के कानूनी अधिकार को समाप्त करने के खिलाफ आयोजित किया। सुजानगढ़ विधायक और कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनोज मेघवाल के नेतृत्व में हुए इस धरने में सांसद राहुल कस्वां, पूर्व विधायक कृष्णा पूनिया, मुश्ताक खान और रियाजत खान सहित कई नेता मौजूद रहे।

धरने को संबोधित करते हुए सांसद राहुल कस्वां ने कहा कि मनरेगा के तहत जरूरतमंदों को 100 दिन का रोजगार मिलता था। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने योजनाबद्ध तरीके से नाम बदलकर इसे खत्म करने का काम किया है। कस्वां ने कहा कि 125 दिन के रोजगार की बात कही जा रही है, लेकिन 100 दिन का रोजगार भी तीन प्रतिशत से अधिक लोग प्राप्त नहीं कर पाए हैं। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार पर 40 प्रतिशत का भार डाला गया है। पिछले दो सालों में केंद्र सरकार की फ्लैगशिप योजनाएं पैसे के अभाव में प्रदेश में दम तोड़ रही हैं। कस्वां ने आशंका जताई कि केंद्र सरकार की फंडिंग से चलने वाली मनरेगा भी अब दम तोड़ देगी।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनोज मेघवाल ने कहा कि मनरेगा की आत्मा को खत्म किया जा रहा है और महात्मा गांधी का नाम हटाया जा रहा है, जो भाजपा की छोटी विचारधारा को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषित योजना का भार राज्य सरकारों पर डाला जा रहा है, जिसे कोई भी राज्य सहन नहीं कर पाएगा और यह योजना अपने आप खत्म हो जाएगी। उन्होंने इसे भाजपा सरकार का उद्देश्य बताया। कांग्रेस नेता रियाजत खान ने कहा कि केंद्र सरकार के इस फैसले का परिणाम पंचायत और निकाय चुनाव में भुगतना पड़ेगा। उन्होंने सवाल किया कि मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटा सकते हैं, लेकिन 171 देशों से उनकी मूर्तियां कैसे हटाएंगे। सादुलपुर की पूर्व विधायक कृष्णा पूनिया ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब भाजपा द्वारा कांग्रेस द्वारा चलाई गई योजनाओं का नाम बदला गया है। इससे पहले भी तमाम योजनाओं का नाम इनके द्वारा बदला गया। इस योजना को बंद कर सरकार ने रोजगार छीनने का काम किया हैं। इस मौके पर कांग्रेस नेता संजय कस्वां, मुश्ताक खान, पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया, सद्दाम हुसैन, बजरंग सैन, आदूराम न्यौल, मोहम्मद हुसेन निर्वाण व जमील चौहान सहित अनेक कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

एम.डी. लिटल फ्लावर स्कूल में स्पोर्ट्स वीक का भव्य आगाजः उत्साह का समंदर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

एम.डी. लिटल फ्लावर स्कूल के मैदान में जोश, जुनून, और खेल का एक नया तूफान उठ खड़ा हुआ, जब चेयरमैन सुनील डांगी, निदेशक समीता डांगी, और प्रिंसिपल अंकित शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर स्पोर्ट्स वीक का शानदार शुभारंभ किया। चेयरमैन सुनील डांगी ने बताया कि, 'खेल आत्मविश्वास, टीमवर्क और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का प्रतीक हैं। हमें गर्व है कि हमारे बच्चे इस सप्ताह अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। निदेशक समीता डांगी ने बताया, 'यह सप्ताह हमारे छात्रों के शारीरिक और मानसिक विकास का उत्सव है। हम सब मिलकर इस आयोजन को यादगार बनाएंगे। प्रिंसिपल अंकित शर्मा ने बताया, 'स्पोर्ट्स वीक में फुटबॉल, बैडमिंटन, क्रिकेट, कबड्डी और रिले रेस होंगे। सभी की सक्रिय भागीदारी से यह सप्ताह अविस्मरणीय बनेगा। दीप प्रज्ज्वलन के साथ शुरू हुए इस आयोजन में, बच्चे बढ़- चढ़कर शामिल हुए। उनकी टोलियां, हंसते-खिलखिलाते चेहरों ने पूरे परिसर को एक उत्सव में बदल दिया। पहले दिन, खो- खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया,शिक्षकों की तालियों और छात्रों की चमकती आंखों ने बता दिया कि यह स्पोर्ट्स वीक एम.डी. लिटल फ्लावर स्कूल के इतिहास में एक सुनहरी पारी लिखने को तैयार है! कार्यक्रम के सफल संचालन में विद्यालय संयोजक मनोज वर्मा और उदित योगी, सुनील, दीपक, कृष्ण, मनीष शर्मा, डीपी लांबा, काजल, कविता नरूका, कविता वर्मा, मनोज, मंजु, मनीषा स्वामी, मनीषा योगी, निधि, पायल, आरती, अनिता, सीमा, अमितांश, निर्मला, अंजना, पायल गोयल, कोमल, बबिता, निरज, कविता, नीतू खान, मोनिका, मोनिका शर्मा, काजल, निशा आदि की सक्रिय भागीदारी रहीं।

सरला पाठशाला चिड़ावा में रक्षिता सेवा संस्थान बलौदा के न्यू ईयर-2026 वार्षिक कैलेंडर का विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

शहर में संचालित सरला पाठशाला में सोमवार को रक्षिता सेवा संस्थान बलौदा द्वारा प्रकाशित न्यू ईयर-2026 का वार्षिक कैलेंडर विधिवत रूप से विमोचित किया गया। कार्यक्रम में स्व. रक्षिता के पिता दारा सिंह (विकास अधिकारी), माता कुसुम, पाठशाला की संचालिका अनीता पुनिया, विकास पुनिया, विद्यालय स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहें। कैलेंडर का विमोचन दारा सिंह, अनीता पुनिया, विकास पुनिया, पाठशाला स्टाफ एवं विद्यार्थियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर रक्षिता सेवा संस्थान की ओर से विद्यार्थियों, स्टाफगण एवं आमजन के लिए विशेष भोज की व्यवस्था भी की गई। कार्यक्रम में दारा सिंह, विकास अधिकारी ने आश्वासन दिया कि सरला पाठशाला में अध्ययनरत झुग्गी-झोपड़ी व घुमंतू परिवारों के बच्चों को दी जा रही निःशुल्क शिक्षा एवं उनके भोजन व्यवस्था के लिए यदि किसी भी प्रकार के सहयोग की आवश्यकता होगी, तो रक्षिता सेवा संस्थान की ओर से हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

पाठशाला संचालिका अनीता पुनिया ने स्व. रक्षिता के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके सेवा, संवेदना और सामाजिक सरोकारों को प्रेरणादायी बताया। वहीं विकास अधिकारी दारा सिंह ने जानकारी दी कि स्व. रक्षिता के जन्मदिवस एवं पुण्यतिथि पर प्रतिवर्ष विशेष सामाजिक एवं जनहित के कार्य किए जाते हैं, जिनमें रक्तदान शिविर, मेडिकल कैंप, वृक्षारोपण, विद्यालयों में मां सरस्वती मंदिर निर्माण, गरीब बेटियों के विवाह में सहायता जैसे कार्य शामिल हैं। कार्यक्रम के अंत में विकास अधिकारी दारा सिंह ने विद्यालय संचालिका, स्टाफ एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए इस पुनीत कार्य के लिए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

चंद्र प्रकाश धुपिया को लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए जिलाध्यक्ष पद पर पुनर्नियुक्ति

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

सैनी समाज कर्मचारी एवं अधिकारी विकास संस्था, राजस्थान द्वारा संगठन को मजबूती प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए चंद्र प्रकाश धुपिया को लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए जिलाध्यक्ष, जिला शाखा झुंझुनूं के पद पर पुनर्नियुक्त किया गया है। संस्था के प्रदेश महासचिव मदन लाल सैनी द्वारा जारी आदेश के अनुसार चंद्र प्रकाश धुपिया को उनके पूर्व कार्यकाल में किए गए संगठनात्मक कार्य, सक्रिय सहभागिता एवं समाजहित में निभाई गई जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए पुनः यह दायित्व सौंपा गया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू मानी जाएगी तथा सक्षम स्तर से अनुमोदित है। पुनर्नियुक्ति की सूचना मिलते ही संस्था पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने हर्ष व्यक्त किया और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में झुंझुनूं जिले में संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति मिलेगी तथा समाज के हित में प्रभावी कार्य किए जाएंगे।

अधिवक्ता से अभद्रता के विरोध में झुंझुनूं में अभियंताओं-संवेदकों का बहिष्कार, मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

नगर खंड अजमेर सांनिवि के अधिशाषी अभियंता के साथ अधिवक्ताओं द्वारा किए गए अभद्र व्यवहार एवं मारपीट की घटना के विरोध में सार्वजनिक निर्माण विभाग झुंझुनूं के अभियंताओं एवं संवेदकों ने कड़ा आक्रोश जताया है। इस संबंध में राजस्थान सरकार के माननीय मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित किया गया।

ज्ञापन में बताया गया कि 19 दिसंबर 2025 को अजमेर में घटित घटना में अधिवक्ताओं द्वारा सांनिवि के अधिशासी अभियंता श्री विपिन जिंदल के साथ अभद्र व्यवहार एवं मारपीट की गई, जो अत्यंत निंदनीय है। इस घटना के विरोध में 22 दिसंबर 2025 को सार्वजनिक निर्माण विभाग परिसर, झुंझुनूं में विभाग के समस्त अभियंताओं व संवेदकों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें घटना की तीव्र भर्त्सना की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जब तक दोषी अधिवक्ताओं के विरुद्ध उचित एवं कठोर कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक सांनिवि से जुड़े निर्माण कार्यों एवं कार्यालयीन कार्यों का सामूहिक रूप से पूर्ण बहिष्कार जारी रहेगा। साथ ही ज्ञापन में यह मांग की गई कि दोषी अधिवक्ताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए तथा उनकी वकालत की मान्यता भी रद्द की जाए।

अभियंताओं एवं संवेदकों ने मुख्यमंत्री से शीघ्र हस्तक्षेप कर न्याय दिलाने की मांग की, ताकि विभागीय कार्य सुचारु रूप से संचालित हो सकें और अभियंताओं का मनोबल बना रहे। इस दौरान सार्वजनिक निर्माण विभाग के एसई सतीश गुप्ता, एक्सईएन राकेश कुमार, हरीश यादव, केशर जाटव व प्रणव शिल्ला, एईएन अभिषेक बिजारणियां, रविता पूनिया व कविता सैनी, संदीप महला, पीएचईडी से एक्सईएन सुमित चौधरी, डब्ल्यूआरडी से एईएन अरविंद लांबोरिया, संवेदक मोहर सिंह सोलाना, मोहन, गोवर्धन सिगड़ा शैलेन्द्र मान, जेपी खटाना, मनीष पोद्दार समेत विभागीय अभियंता व कर्मचारी, संवेदक मौजूद रहें। ?

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

नाम बदलने की राजनीति और विकास का खोखलापन

देश के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में 'नाम बदलने' की राजनीति एक नए शिखर पर पहुँच चुकी है। कभी सड़कों के नाम बदले जा रहे हैं, कभी सरकारी दफ्तरों के, कभी योजनाओं के और कभी इतिहास की पहचान तक को नए आवरण में प्रस्तुत किया जा रहा है। तर्क दिया जाता है कि इससे 'भारतीयता' सुदृढ़ होगी, पर ज़मीनी हकीकत यह है कि नाम बदलने की इस दौड़ में कई जनकल्याणकारी योजनाएँ अपनी आत्मा खोती नज़र आ रही हैं। सवाल नाम का नहीं, सवाल नीयत, संरचना और प्रभाव का है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

आज यदि हम ग्रामीण भारत की ओर देखें तो विकास के दावों और वास्तविकता के बीच की खाई पहले से कहीं अधिक चौड़ी दिखाई देती है। ग्राम स्वराज का जो सपना महात्मा गांधी ने देखा था, जिसमें ग्राम सभा सर्वोच्च निर्णयकारी संस्था हो, वह सपना अब काग़ज़ों में सिमटता जा रहा है। ग्राम पंचायतें, जो कभी स्थानीय लोकतंत्र की रीढ़ हुआ करती थीं, आज ऊपर से थोपे गए निर्णयों की मात्र कार्यान्वयन एजेंसी बनती जा रही हैं। विकास की योजनाएँ अब गाँव की ज़रूरतों से नहीं, बल्कि फाइलों और फरमानों से तय होंगी—ऐसा कानूनी ढांचा तैयार किया जा रहा है।

इसी कड़ी में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को लेकर चल रही चर्चाएँ गंभीर चिंता का विषय हैं। मनरेगा केवल एक योजना नहीं थी, बल्कि यह ग्रामीण गरीब के लिए अधिकार था—काम का अधिकार। इसका नाम बदलकर ' वीबी-जी राम जी' यानी 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण)' विधायक 2025 लाया जाने की तैयारी है, प्रतीकात्मक रूप से भले ही आकर्षक लगे, लेकिन असल चिंता यह है कि इसके साथ-साथ योजना की मूल आत्मा को भी बदला जा रहा है। नाम बदलना अपने आप में न अच्छा है, न बुरा, लेकिन जब नाम बदलने के साथ ढांचा, वित्तीय जिम्मेदारी और निर्णय प्रक्रिया भी बदल दी जाए, तब सवाल उठना स्वाभाविक है।

मनरेगा की मूल भावना थी—ग्राम पंचायत के माध्यम से, ग्राम सभा की सहमति से, स्थानीय ज़रूरतों के अनुसार काम और 100 दिन के रोजगार की गारंटी। अब कहा जा रहा है कि 125 दिन की गारंटी दी जाएगी, लेकिन काम कौन-से होंगे, किसे मिलेंगे और कैसे मिलेंगे—यह सब ऊपर से तय होगा। यानी दिखावे में गारंटी बढ़ी, लेकिन स्थानीय स्वायत्तता घट गई। यह ऐसा ही है जैसे किसी से छतरी छीनकर कहा जाए कि बारिश में भीगने का डर मत करो, हमने धूप बढ़ा दी है।

वित्तीय ढांचे में किया गया बदलाव भी कम चिंताजनक नहीं है। पहले मनरेगा में 90 प्रतिशत हिस्सा केंद्र और 10 प्रतिशत राज्य सरकार का होता था। अब इसे 60:40 के अनुपात में लाने की बात हो रही है। इसका सीधा असर उन राज्यों पर पड़ेगा, जो पहले से आर्थिक दबाव में हैं। परिणामस्वरूप मजदूरी भुगतान में देरी, काम की कमी और योजना के प्रति लोगों का भरोसा कमजोर होना तय है। रोजगार गारंटी अधिनियम यदि राज्यों की वित्तीय मजबूरी की भेंट चढ़ गया, तो इसका नाम चाहे कुछ भी रखा जाए, ग्रामीण गरीब के लिए वह अर्थहीन हो जाएगा। ग्राम पंचायतों की हालत तो और भी दयनीय है। फाइनेंस कमीशन की राशि, जो पंचायतों के लिए जीवनरेखा होती है, कई जगह समय पर नहीं पहुनच रही।

राजस्थान जैसे राज्यों में सरपंचों ने बिना बजट के ही अपना कार्यकाल गुज़ार दिया। अब प्रशासक व्यवस्था है, लेकिन पंचायतों के खाते खाली हैं। विकास के लिए न योजना बनाने की स्वतंत्रता है, न उसे लागू करने के संसाधन। ऐसे में सरकार भले ही काग़ज़ों में पैसा 'बचा' ले, पर ज़मीन पर उसका अर्थ केवल एक है—विनाश। विडंबना यह है कि इन सबके बीच नाम बदलने का उत्सव जारी है। जैसे विकास की असली समस्याओं का समाधान नाम बदलने से ही हो जाएगा। ऐसा लगता है मानो योजनाओं के नाम बदलकर उन्हें मार्गदर्शन दीर्घा में सजा दिया जाए और असली काम को इतिहास के हवाले कर दिया जाए। व्यंग्य यह है कि गाँव में सड़क टूटी है, मजदूर बेरोज़गार है, पंचायत खाली है, लेकिन बोर्ड चमकदार और नाम नया है।

यह भी एक गंभीर आशंका है कि नाम बदलने की इस राजनीति का विस्तार केवल योजनाओं तक सीमित न रहे। जब सड़कों, संस्थानों, योजनाओं और क़ानूनों के नाम बदले जा सकते हैं, तो क्या कल को संवैधानिक मूल्यों और पहचान पर भी यही प्रयोग होगा? यह सवाल अतिशयोक्ति नहीं, बल्कि उस दिशा की ओर इशारा है, जहां प्रतीकों को वास्तविकता से ऊपर रखा जा रहा है। लोकतंत्र में परिवर्तन बुरा नहीं होता, लेकिन परिवर्तन का उद्देश्य जनता के जीवन को बेहतर बनाना होना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक कथा को नया नाम देना। मनरेगा हो या ग्राम पंचायतें, इनकी ताकत नाम में नहीं, बल्कि उस भरोसे में है जो आम आदमी ने इन पर किया था। यदि वही भरोसा टूट गया, तो कोई भी नया नाम उस खालीपन को नहीं भर पाएगा। अंततः यह समझना ज़रूरी है कि विकास का अर्थ केवल घोषणाएँ और नाम परिवर्तन नहीं है। विकास वह है जो गाँव के आख़िरी आदमी के चेहरे पर मुस्कान लाए, उसे काम दे, सम्मान दे और निर्णय में भागीदारी दे। यदि नाम बदलने की राजनीति इस लक्ष्य से भटका दे, तो इतिहास यह प्रश्न अवश्य पूछेगा कि हमने योजनाओं के नाम तो बदल दिए, लेकिन लोगों की ज़िंदगी क्यों नहीं बदली?

रामप्रसाद बोहरा स्कूल झांझा में गणित दिवस व श्रीनिवास रामानुजन जयंती मनाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

रामप्रसाद बोहरा पब्लिक स्कूल झांझा (बुहाना) में गणित विषय एवं महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने गणित से संबंधित विभिन्न शैक्षणिक व रचनात्मक प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर संस्था प्रधान रघुवीर सिंह बोहरा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि गणित जीवन का आधार है और तर्कशक्ति व समस्या समाधान की क्षमता को विकसित करता है। उन्होंने गणित को दैनिक जीवन से जोड़कर पढ़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में निर्देशक अजय कुमार, डॉ. जितेन्द्र यादव, गौतम यादव, साक्षी यादव, नीतू चौधरी, सोनू यादव, सुभाष कुमार, सत्यवीर सिंह यादव, राकेश जांगीड, प्रदीप शर्मा, सुनीता गजराज, हरजीत सिंह, के.बी. श्रीवास्तव, सत्यम शर्मा, जयवीर कादयान, शकुंतला यादव, प्रीतिका शेखावत सहित विद्यालय का स्टाफ एवं परिजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य मुबारक अली ने गणित के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को गणित सीखने के सरल नियम बताए। उन्होंने कार्यक्रम में सहयोग देने वाले समस्त स्टाफ एवं उपस्थित परिजनों का आभार व्यक्त किया।

टोहाना के बजरंग मॉडल स्कूल में किया तीन दिवसीय खेल महोत्सव-प्रधानाचार्य अंजु वर्मा

स्कूल शिक्षा के साथ साथ खेल सांस्कृतिक गतिविधियों को भी महत्व देता है -संचालक विनय वर्मा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

विजय रंगा । बजरंग मॉडल स्कूल के प्रांगण में तीन दिवसीय खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर स्कूल के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेल प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसके साथ ही बच्चों द्वारा रंगारंग डांस परफॉर्मेंस भी प्रस्तुत की गई जिसने बच्चों का मन मोह लिया। स्कूल के प्रधानाचार्य अंजू वर्मा ने कहा कि खेल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है खेल केवल अनुशासन सीखते हैं बल्कि टीम भावना नेतृत्व और आत्मविश्वास भी विकसित करते हैं। वही स्कूल के संचालक विनय वर्मा ने कहा कि स्कूल शिक्षा के साथ-साथ खेल सांस्कृतिक गतिविधियों को भी समान महत्व देते हैं उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों की छिपी प्रतिभाओं को निकालने का अवसर प्रदान करते हैं। विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें हर क्षेत्र में सक्षम बनाना है। बच्चों ने जेलीफिश, थ्री लैग रेस, लैमन रेस, रस्सा कस्सी आदि प्रतियोगिता में भाग लिया। कोऑर्डिनेटर ज्योति दुआ और वीना मुखीजा के नेतृत्व में कार्यकर्म का सफल मंचन हुआ।स्टेज संचालन मयंक जांगड़ा व युवराज, रमन , समर, मोहित ने किया। बॉक्सिंग कोच ज्योति वर्मा ने खिलाड़ियों की सुंदर व्यवस्था की टेक्निकल सहयोगी की भूमिका निभाई, सभी अध्यापकों इसमें सहायक रहे।

पटवार मंडल बुहाना में ग्रामीण समस्या समाधान शिविर आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

सोमवार को पटवार मंडल बुहाना में ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से ग्रामीण समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा मौके पर ही जनसमस्याओं की सुनवाई कर समाधान किया गया।शिविर के दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से दिव्यांगजनों को 4 ट्राइसाइकिल एवं 1 व्हीलचेयर का वितरण किया गया। इसके साथ ही पालनहार योजना के अंतर्गत 4 पालनहारों के 6 बच्चों का नवीनीकरण भी किया गया, जिससे पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ निरंतर मिलता रहे।उपकरण वितरण कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी पूनम मीणा, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी आशीष दहिया, अधिशाषी अधिकारी सुरेंद्र बालियां, धर्मपाल (कनिष्ठ सहायक), नवनीत सैनी एवं रविश उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे स्तर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और अपनी समस्याएं रखीं, जिनके समाधान हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

घने कोहरे का अलर्ट, 8 डिग्री तक गिरा तापमान

शीतलहर के कारण बढ़ेगी सर्दी; जयपुर, भिवाड़ी, जैसलमेर में सांस लेने में परेशानी

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान में घने कोहरे के कारण कई शहरों के अधिकतम तापमान में गिरावट हुई है। सोमवार को जैसलमेर, बीकानेर, बाड़मेर समेत कुछ शहरों में तापमान 2 से लेकर ?8 डिग्री तक गिर गया। घने कोहरे के कारण एयर और रेल ट्रैफिक का संचालन प्रभावित रहा। राज्य में आज भी उत्तर-पूर्वी और उत्तर-पश्चिमी जिलों में हल्के से मध्यम और कहीं-कहीं घना कोहरा छाने की आशंका है। उत्तरी हवा चलने से न्यूनतम तापमान में भी अगले 2-3 दिन में गिरावट होने की संभावना है। वहीं, पॉल्यूशन भी परेशानी बढ़ा रहा है। मंगलवार सुबह जयपुर, भिवाड़ी, जैसलमेर सहित कई शहरों हवा की क्वालिटी (त्त्ढ्ढ) बेहद खराब लेवल पर रही।

भिवाड़ी सहित कई शहरों में गंभीर स्थिति

नवंबर से भिवाड़ी की हवा जहरीली हो गई है। सर्दी बढ़ने के साथ यहां हर दिन एयर क्वालिटी खराब होती जा रही है। मंगलवार सुबह 5 बजे यहां का एक्यूआई लेवल 356 रिकॉर्ड हुआ। वहीं, जैसलमेर का एक्यूआई लेवल भी 350 के करीब रहा। जो दिल्ली के कई प्रदूषित इलाकों जैसा है। इस लेवल को प्रदूषण विभाग बहुत ही खतरनाक स्तर का मानता है। भिवाड़ी के अलावा जयपुर, बीकानेर, कोटा, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ में भी हवा सुबह काफी प्रदूषित रही। इन शहरों का एक्यूआई लेवल 200 से ऊपर रहा। राजस्थान के प्रमुख शहरों में खराब हो रही हवा से लोगों को सांस लेने तक में परेशानी हो रही है।

सडक़ सुरक्षा से जुड़े कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी- डीसी डॉ. विवेक भारती

जिला स्तरीय सडक़ सुरक्षा समिति की मासिक बैठक में डीसी डॉ. विवेक भारती ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिला स्तरीय रोड सेफ्टी कमेटी की मासिक बैठक सोमवार को उपायुक्त डॉ. विवेक भारती की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में सडक़ दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात व्यवस्था में सुधार तथा आमजन की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, अंडर एज ड्राइविंग, बिना साइड मिरर के वाहनों के चालान किए जाए। समाचार पत्रों में प्रकाशित विभाग से संबंधित नकारात्मक समाचार का संज्ञान लेकर एक्शन टेकन रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय में जमा करें। उपायुक्त ने सभी सडक़ संबंधित विभागो को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने जोन में स्थित स्कूलों की संख्या, स्कूल जोन में स्पीड ब्रेकर, रबर स्ट्रिप, साइन बोर्ड, रोड मार्किंग एवं अन्य सुरक्षा उपायों का विस्तृत विवरण तैयार करें। जहां ये व्यवस्थाएं उपलब्ध नहीं हैं, वहां शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। बैठक में ब्लैक स्पॉट्स तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की विशेष समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि ऐसे क्षेत्रों में रोड मार्किंग, चेतावनी संकेतक एवं प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए ताकि दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके। उपायुक्त ने शिक्षा विभाग, पुलिस, रेडक्रॉस एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं को स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थलों पर नियमित रूप से सडक़ सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में सभी विभागों को अपने-अपने पेंडिंग एजेंडा शीघ्र पूर्ण करने तथा की गई कार्यवाही की एक्शन टेकन रिपोर्ट समयबद्ध रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि रोड सेफ्टी से जुड़े कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में आरटीए संजय बिश्नोई, एसडीएम राजेश कुमार, डीडीपीओ अनूप सिंह, जिला कल्याण अधिकारी विनोद चावला, जिला वन अधिकारी राजेश लीलड़, एलडीएम विक्रांत वर्मा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

सांसद बोलें: संसद में पारित नए विधेयकों से देश को मिलेगी नई ताकत

ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर है विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन अधिनियम- सुभाष बराला

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) केंद्र सरकार की एक दूरदर्शी और ऐतिहासिक पहल है, जो ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर बनाने में मील का पत्थर साबित होगी। यह मिशन ग्रामीण युवाओं, महिलाओं, किसानों और कमजोर वर्गों को स्थायी रोजगार, सुनिश्चित आय और सम्मानजनक जीवन से जोडऩे का मजबूत आधार बनेगा। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को धरातल पर उतारने का प्रभावी माध्यम है। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला सोमवार को लोक निर्माण विश्राम गृह, फतेहाबाद में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संसद के हाल ही में संपन्न शीतकालीन सत्र में केंद्र सरकार द्वारा नौ महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए गए हैं, जो देश के नागरिकों के भविष्य को सुरक्षित और सुदृढ़ करने की दिशा में निर्णायक कदम हैं।

नए कानूनों से मजबूत होगा भारत का भविष्य

मनरेगा की खामियों को दूर कर बना नया सशक्त कानून:

राज्यसभा सांसद ने कहा कि पुराने मनरेगा कानून में कई खामियां और अनियमितताएं थीं, जिन्हें विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) में दूर किया गया है। अब मजदूरों को 100 दिनों के बजाय 125 दिन का रोजगार मिलेगा। इसमें 75 दिन का कार्य केंद्र सरकार और 50 दिन का कार्य राज्य सरकार द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा। इस योजना के तहत कुल बजट का 60 प्रतिशत केंद्र सरकार और 40 प्रतिशत राज्य सरकार वहन करेगी। उन्होंने बताया कि राज्यों की जिम्मेदारी भी अब स्पष्ट रूप से तय कर दी गई है। मजदूरों के कार्य निर्धारण में यह भी ध्यान रखा जाएगा कि फसल की बुवाई व कटाई के समय किसान के खेतों में मजदूरों को दिहाड़ी मिले और उसके बाद इस अधिनियम के तहत अतिरिक्त रोजगार उपलब्ध कराया जाए। इससे मजदूरों को अधिक काम मिलेगा और उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

पारदर्शिता के लिए तकनीकी सुधार:

सुभाष बराला ने कहा कि वीबी-जीरामजी कानून में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए जीपीएस सिस्टम और बायोमेट्रिक प्रणाली को और मजबूत किया गया है, जिससे फर्जीवाड़े और अनियमितताओं पर प्रभावी रोक लगेगी।

नाम बदलने पर विपक्ष का भ्रम फैलाने का आरोप:

राज्यसभा सांसद ने कांग्रेस समेत विपक्षी दलों पर मनरेगा का नाम बदलने को लेकर बेवजह मुद्दा बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मनरेगा कांग्रेस सरकार में बना था, लेकिन इसमें व्याप्त खामियों को दूर करने के लिए संशोधन जरूरी थे। नाम बदलने से विपक्ष तिलमिला रहा है, जबकि सच्चाई यह है कि इस कानून से मजदूरों को अब पहले से अधिक रोजगार और बेहतर व्यवस्था मिलेगी।

2014 के बाद ऐतिहासिक कानूनी सुधार:

सांसद ने कहा कि 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 1577 पुराने और अप्रासंगिक कानून बदले या निरस्त किए गए हैं, जबकि 2014 से पहले केवल 1291 कानूनों में संशोधन हुआ था। इससे आम नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 213 में मौजूद भेदभावपूर्ण प्रावधान को समाप्त कर समानता स्थापित की गई है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि देश के विकास में रुकावट में आने पुराने कानूनों को बदलने में मौजूदा केंद्र सरकार कोई समझौता नहीं करेगी।

सबका बीमा-सबकी रक्षा से मिलेगा आमजन को लाभ:

सुभाष बराला ने कहा कि सबका बीमा-सबकी रक्षा (बीमा कानून संशोधन) विधेयक 2025 के पारित होने से बीमा क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधार होंगे। बीमा कंपनियों में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति शक्तियों को मजबूत किए जाने से आम नागरिकों तक बीमा का लाभ पहुंचेगा।

हेल्थ सेक्टर के बिल से मिलेगी नई वित्तीय ताकत:

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने बताया कि स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025 के तहत पान मसाला और सिगरेट जैसे स्वास्थ्य-हानिकारक उत्पादों पर विशेष उपकर लगाया जाएगा। इससे प्राप्त राजस्व का उपयोग सार्वजनिक स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने में किया जाएगा। यह कदम स्वास्थ्य जोखिम कम करने और स्थायी संसाधन जुटाने की दिशा में अहम है। इस अवसर पर हरकोफेड चेयरमैन वेद फूला, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा, प्रवक्ता कंवल चौधरी, इंद्र गावड़ी, शम्मी ढींगरा, जयदीप बराला, जगदीप मोंगा, लायक राम गढ़वाल, प्रमोद बेनीवाल सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

गैर-एनडीए सरकारें जिम्मेदारी से भाग रही:

उन्होंने कहा कि अब राज्य सरकारों को भी बीबी जीरामजी अधिनियम लागू होने के बाद अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी, क्योंकि 40 प्रतिशत खर्च उन्हें वहन करना होगा। इसी कारण गैर-भाजपा और गैर-एनडीए सरकारें इस कानून से असहज हैं और भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही हैं।

चनाना में वैद्य गिरधारी लाल जोशी के नाम से मार्ग का नामकरण

विधायक राजेंद्र भांबू और पूर्व प्रधान रोहिताश्व धांगड़ ने किया मार्ग का लोकार्पण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

पंचायत समिति क्षेत्र की चनाना ग्राम पंचायत मुख्यालय पर बुनियादी ढांचे को मजबूती देते हुए सोमवार को प्रभु केडिया की दुकान से लेकर राजकीय भगवान दास चिकित्सालय तक के मार्ग का नामकरण वैद्य गिरधारीलाल जोशी मार्ग के नाम पर हुआ। विधायक राजेंद्र भांबू और पूर्व प्रधान रोहिताश्व सिंह धांगड़ सहित मौजूद अतिथियों ने न मार्ग के नामकरण की पट्टिका का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू थे। अध्यक्षता चिड़ावा पंचायत समिति के कार्यवाह प्रधान रोहिताश्व सिंह धांगड़ ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में भाजपा प्रदेश कार्यालय सह-प्रभारी रजनीश चनाना, भाजपा नेता विशम्बर पूनिया मौजूद रहे। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए विधायक राजेंद्र भांबू ने कहा कि वैद्य जोशी कई दशक तक क्षेत्र में चिकित्सा के पर्याय रहे। एक कुशल वैद्य व शिक्षक के रूप में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। पूर्व प्रधान रोहिताश्व सिंह धांगड़ ने कहा कि जनहित के कार्यों के लिए वे सदैव समर्पित हैं उन्होंने मार्ग का नामकरण जोशी के नाम पर उनकी याद को चिर स्थाई रखेगा।

वैद्य गिरधारीलाल जोशी को दी श्रद्धांजलि

मार्ग का नामकरण क्षेत्र के प्रख्यात व्यक्तित्व वैद्य गिरधारीलाल जोशी के नाम पर किए जाने का ग्रामीणों ने स्वागत किया। वक्ताओं ने उनके सामाजिक योगदान को याद किया। इस अवसर पर रजनीश चनाना ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और गाँव के विकास के लिए सामूहिक प्रयासों पर बल दिया। साथ ही मार्ग स्वीकृति में सहयोग के लिए पूर्व प्रधान कैलाश मेघवाल का आभार जताया। समारोह के दौरान स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने विधायक राजेंद्र भांबू और पूर्व प्रधान धांगड़ का साफा पहनाकर और मालाओं से भव्य स्वागत किया। इस मौके पर पूर्व सरपंच एडवोकेट सुरेंद्र चनाना, डॉ जितेन्द्र जोशी, रिटायर्ड अकाउंट्स ऑफिसर सुरेन्द्र जोशी, रणवीर डूडी, बुकना, दिलीप नायक, राधाकृष्ण केडिया, आदित्य मित्तल, शिक्षक नेता राजकुमार मुंड, रणजीत सिंह चौहान, जितेंद्र सोनी, रामकिशन मीणा, पूर्व पंचायत समिति सदस्य सुरेश बड़सरा,सुभाष पुरानी बस्ती, रविंद्र नेहरा, पूरणमल मोदी, लीलाधर मित्तल बड़ी संख्या में गणमान्यजन मातृशक्ति और युवा मौजूद रहें।

एसएफआई खेतड़ी ने मेजर विषय शुद्धिकरण की मांग को लेकर प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

छात्र संगठन एसएफआई खेतड़ी द्वारा कॉलेज कमेटी के नेतृत्व में सोमवार को राजकीय महाविद्यालय खेतड़ी के प्राचार्य को एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से परीक्षा फॉर्म में मेजर विषयों की त्रुटियों के शुद्धिकरण को लेकर विद्यार्थियों की समस्याओं से अवगत कराया गया।एसएफआई के जिला अध्यक्ष विष्णु कुमार नायक ने प्राचार्य को बताया कि कई बार परीक्षा फॉर्म भरते समय किसी कारणवश विद्यार्थियों से मेजर विषय गलत भर जाता है, जिसके शुद्धिकरण के लिए विश्वविद्यालय जाना पड़ता है। इससे विद्यार्थियों को न केवल आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ता है, बल्कि अतिरिक्त आर्थिक भार भी उठाना पड़ता है। छात्र संगठन एसएफआई ने मांग की कि मेजर विषय शुद्धिकरण का पोर्टल महाविद्यालय स्तर पर ही शुरू किया जाए, ताकि विद्यार्थियों को अनावश्यक रूप से विश्वविद्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें और उन्हें समय व धन दोनों की बचत हो सके। ज्ञापन में उम्मीद जताई गई कि विश्वविद्यालय शीघ्र ही छात्र हित में निर्णय लेकर राहत प्रदान करेगा। इस अवसर पर पूर्व छात्रसंघ सचिव दिनेश बबेरवाल, छात्र नेत्री पायल नायक, सीमा सैनी, कॉलेज कमेटी अध्यक्ष दीपक कटारिया, रोहित कुमार, सचिन सैनी, जिला उपाध्यक्ष संजय कुमार सैनी, छात्र नेता रिहान कुरैशी, अमित कुमार, पिंटू, साहिल, फरदीन कुरैशी, तिलक, इशिका, लक्ष्मी शेखावत, राजकुमार सहित सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित रहें।

खेतड़ी में निशुल्क आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित, 900 मरीजों को मिला लाभ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

खेतड़ी नगर में एसबीआई बैंक के समीप रविवार को एक विशाल निशुल्क आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के करीब 900 मरीजों ने स्वास्थ्य जांच कराई और निशुल्क आयुर्वेदिक दवाइयों का लाभ उठाया। शिविर में सुबह से ही लोगों की लंबी कतारें देखने को मिलीं, जिससे आयुर्वेदिक चिकित्सा के प्रति बढ़ती जागरूकता स्पष्ट दिखाई दी। शिविर का विधिवत शुभारंभ अतिथियों द्वारा फीता काटकर किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी मनोज घुमरिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं पार्षद हरमेंद्र चनानिया, सुरेंद्र फौजी, बाबूलाल सैनी तथा पार्षद गोकुल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अतिथियों का आयोजकों द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।मुख्य अतिथि मनोज घुमरिया ने अपने संबोधन में आयुर्वेद के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि आयुर्वेद भारतीय जीवन पद्धति का अभिन्न अंग है, जो रोगों के मूल कारण का उपचार कर बिना किसी दुष्प्रभाव के स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में आयुर्वेदिक चिकित्सा अपनाना अत्यंत आवश्यक है। घुमरिया ने मानव सेवा को सबसे बड़ा धर्म बताते हुए मदद फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन द्वारा खेतड़ी उपखंड में निशुल्क कोचिंग, जरूरतमंद बेटियों के विवाह में सहयोग, पेयजल उपलब्ध कराने के लिए बोरवेल खुदाई, गौशाला संचालन सहित अनेक जनकल्याणकारी कार्य निरंतर किए जा रहे हैं।

शिविर में जयपुर से आए प्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य डॉ. रामहरी मीणा के नेतृत्व में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने अपनी सेवाएं दीं। टीम में अग्निकर्म विशेषज्ञ डॉ. मुकेश साहू, डॉ. पवन कुमार यादव, डॉ. अनीता यादव, डॉ. दिपेश कुमार मीणा तथा प्रशांत शामिल रहे। चिकित्सकों ने जोड़ों व कमर दर्द, गैस, बदहजमी, सिरदर्द, पाइल्स, बवासीर, पथरी, चर्म रोग सहित अन्य सामान्य व जटिल रोगों की जांच कर उचित परामर्श दिया। शिविर के दौरान कुल 900 मरीजों को निशुल्क आयुर्वेदिक दवाइयां वितरित की गईं। मरीजों ने शिविर की व्यवस्थाओं एवं चिकित्सकीय सेवाओं की सराहना करते हुए ऐसे आयोजनों को नियमित रूप से आयोजित करने की मांग की। इस सफल आयोजन में बलबीर छापोला, सुशील मीणा सहित अनेक कार्यकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आयोजकों ने सभी अतिथियों, चिकित्सकों, कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

गाँधी चौक से गढ़ रोड सीसी सड़क निर्माण में अनियमितताओं पर फूटा लोगो का आक्रोश, मंडावर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

ठेकेदार व विभागीय जेईएन पर हाईकोर्ट निर्देशों की अवहेलना के लगाये आरोप; एसडीएम ने दिए जांच के आदेश।

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । गांधी चौक से पहाड़बंद चौराहा मार्ग तक बन रही सीसी सड़क में भारी अनियमितताओं और कॉलोनियों में बढ़ते जलभराव के खतरे को लेकर सोमवार को गढ़ रोड क्षेत्र के कॉलोनीवासियों और व्यापारियों ने एकजुट होकर मंडावर एसडीएम अमित वर्मा को विस्तृत ज्ञापन सौंपते हुए निर्माण कार्य में हो रही मनमानी को तत्काल रोकने की मांग की। प्रभावित लोगों ने आरोप लगाया कि सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा करवाए जा रहे सड़क निर्माण कार्य में ठेकेदार और कनिष्ठ अभियंता करणसिंह राजपूत हाईकोर्ट के निर्देशों की अनदेखी करते हुए मनमर्जी से सड़क बना रहे हैं। गांधी चौक से सब्जी मंडी तक तो पुरानी सड़क को नियमानुसार खोदकर उसकी परत हटाई जाकर सडक बनाई जा रही है, जबकि सब्जी मंडी से गढ़ रोड की ओर बिना खुदाई के पुरानी सड़क के ऊपर ही नई सीसी सड़क बनाई जा रही है। इससे पूरी कॉलोनियों, दुकानों और मकानों में पहले से मौजूद जलभराव की समस्या और गंभीर होने का खतरा है, क्योंकि इस मार्ग से जुड़ी ज्यादातर कॉलोनियाँ पहले ही सड़क स्तर से काफी नीचे स्थित हैं।कॉलोनीवासियों ने ज्ञापन के जरिये यह भी बताया कि शनिवार को जब स्थानीय लोग मौके पर पहुँचकर गलत तरीके से हो रहे सडक निर्माण कार्य का विरोध कर रहे थे, तब पीडबल्यूडी विभाग के जेईएन करणसिंह राजपूत ने कथित अभद्रता करते हुए 'सड़क ऐसे ही बनेगी' कहकर उनकी आपत्तियों को सिरे से खारिज कर दिया, जिसके बाद यहाँ कॉलोनीवासियो में रोष और बढ़ गया।इन गंभीर आरोपों और कॉलोनीवासियो की पीड़ा का संज्ञान लेते हुए एसडीएम अमित वर्मा ने स्थानीय सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता को मूल ज्ञापन सहित आदेश जारी करते हुए उक्त सड़क निर्माण कार्य में नियमों के उल्लंघन, मनमानी, सड़क की बढ़ती ऊँचाई और जलभराव जैसी संवेदनशील समस्याओं की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। ज्ञापन देने वालों में द्वारकाप्रसाद अग्रवाल, कल्लू सैनी, सुशील फोटोग्राफर, दिनेश सिंघल, वेदप्रकाश सोनी, दिनेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में प्रभावित कॉलोनीवासी मौजूद रहें।

नव नियुक्त बार संघ बहरोड़ अध्यक्ष दाताराम यादव एडवोकेट का सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । बार संघ बहरोड़ के नव नियुक्त अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता दाताराम यादव एडवोकेट का सम्मान समारोह आज दोपहर होटल हाईवे किंग, बहरोड़ में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम अधिवक्ता अशोक कुमार निमोरिया की ओर से रखा गया था। समारोह में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने एक साथ मौजूद रहकर दाताराम यादव एडवोकेट को बधाई दी और उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। इस अवसर पर उपाध्यक्ष सतीश कुमार एडवोकेट और कोषाध्यक्ष दीवान सिंह एडवोकेट का भी सम्मान किया गया। अधिवक्ताओं ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे न्याय और समाज के हित में कार्य करेंगे और अधिवक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करेंगे। समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने नव नियुक्त पदाधिकारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गांवों में पहुंचा भाजपा सरकार के 2 वर्ष के योजनाओं का रथ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहपुर।

राज वर्मा । राज्य सरकार के 2 वर्ष पूरे हो जाने के बाद सरकार द्वारा हर विधानसभा में गांव गांव ढाणी ढाणी सरकार की योजनाओं को लेकर पहुंच रहा रथ सोमवार को फतेहपुर विधानसभा के गांव कारंगा में पहुंचा। रथ यात्रा की फतेहपुर विधानसभा संयोजक पूर्व जिला मंत्री सरोज कड़वासरा ने बताया कि विकास का यह रथ गांवों मे पहुंचकर लोगों को कांग्रेस सरकार के 5 वर्ष और प्रदेश के भजनलाल सरकार के 2 वर्ष के विकास कार्यों के बारे में विस्तार से बताया और समझाया गया। रथ पर लगी बड़ी स्क्रीन के माध्यम से लोगों को सभी सरकारी योजनाओं और सरकार ने जो कार्य किया है उनकी जानकारी भी वीडियो के माध्यम से दी गई। इस दौरान रथ यात्रा की संयोजक सरोज कड़वासरा, मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश वर्मा सहित अन्य मौजूद रहें।

श्री पालीराम बृजलाल स्कूल के शताब्दी वर्ष पर सेठ फतेहचंद पालीराम की मूर्ति का किया अनावरण

रैवासा पीठाधीश्वर राजेन्द्र जी महाराज व राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवारी के कर कमलों से हुआ मूर्ति अनावरण

भीम प्रज्ञा न्यूज

सूरजगढ़। कस्बे की प्राचीन स्कूल श्री पालीराम बृजलाल सीनियर सैकंडरी स्कूल के शताब्दी वर्ष पर स्कूल परिसर में सेठ फतेहचंद पालीराम जी की मूर्ति का अनावरण मुख्य अतिथि रैवासा पीठ के श्री श्री 1008 अग्र पीठाधीश्वर श्री राजेन्द्र दास जी महाराज व राज्यसभा सांसद एवं पूर्व शिक्षामंत्री घनश्याम तिवारी के कर कमलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगरपालिका चेयरमैन पुष्पा सेवाराम गुप्ता ने की। कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का घरड्डु चौराहे पर नगरपालिका अध्यक्ष पुष्पा सेवाराम गुप्ता व मैन बाजार में नगरमंडल अध्यक्ष कृष्ण कुमार सैनी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि तिवारी ने बताया शेखावाटी वीरों, भामाशाहों और उद्योगपतियों की जननी है। आज से सौ साल पहले यहां के सेठों ने शिक्षा की अलख जगाते हुए कस्बों व गांवों में स्कूलों का निर्माण करवाया था। भाजपा जिला कोषाध्यश्न सेवाराम गुप्ता ने स्कूल के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पालीराम बृजलाल स्कूल की शुरूआत आजादी से पहले 1925 में यहां के सेठ फतेहचंद पालीराम द्वारा की गई थी। कार्यक्रम के दौरान श्री श्री 1008 अनंत विभूषित परम पुज्य महंत रैवास पीठ के अग्र पीठाधीश्वर वृंदावन जगतगुरू श्री राजेन्द्र दास जी महाराज ने अपनी मधुर वाणी द्वारा आशीवर्चनों से मुत्रमुग्ध कर दिया। इस मौके पर स्थानीय विधायक श्रवण कुमार, प्रदेश

प्रवक्ता दशरथ सिंह शेखावत, लघु उद्योग संगठन मंत्री प्रकाश, आरएसएस विभाग कार्यवाह अशोक सिंह, ट्रस्टी रवि झुंझुनूवाला, विजेन्द्र केडिया, समाजसेवी सज्जन अग्रवाल, शादीनाथ आश्रम के महंत बबलुनाथ महाराज, मोहनलाल गुप्ता, प्रिंसीपल संदीप काद्यान, प्राचार्य डॉ. रवि शर्मा, बाबुलाल डिडवानियां, एसई महेश टीबड़ा, पृथ्वीराज चौमाल, वाईस चेयरमैन रामस्वरूप जागिड़, जिला पार्षद सरोज श्योराण, मुरली मनोहर शर्मा, विकास शर्मा, सिंघाना मंडल अध्यक्ष संदयि शास्त्री, विक्रम, पार्षद नरेन्द्र चेजारा, आरिफ कुरैशी, पार्षद प्रतिनिधि हरी सिंह बड़सीवाल सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे। भाजपा जिला कोषाध्यक्ष सेवाराम गुप्ता ने आगंतुकों का आभार प्रकट किया।

बालापुरा खोपर मे उत्साह से युवाओं व पुलिस जवानों ने किया 95 यूनिट रक्तदान

जिला कार्यकारिणी को दिलाई शपथ

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । रक्तकोष फाउंडेशन, पुलिस विभाग जिला बारां, शिक्षा सहकारी कोटा बारां तथा समर्पण ब्लड डोनर के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम बालापुरा खोपर स्थित हनुमान मंदिर परिसर में शहीदों की स्मृति, सहकारिता वर्ष और राज्य सरकार के सफलतम दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में फाउंडेशन द्वारा चोथा रक्तदान शिविर तथा जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। शिविर संयोजक व तहसील अध्यक्ष जुगल नागर तथा व्यवस्थापक गोकुल नागर ने बताया कि शिविर के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी रहे। विधि विधान से शुभारंभ वरिष्ठ भाजपा नेता हिम्मतसिंह सिंघवी द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में शिक्षा सहकारी कोटा बारां के अध्यक्ष प्रकाश जायसवाल ने संबोधित किया। अध्यक्षता छबड़ा प्रधान हरिओम नागर ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप मे पुलिस उपाधीक्षक छबड़ा ताराचंद, थानाधिकारी छबड़ा राजेश खटाणा, मुख्य ब्लाक चिकित्सा अधिकारी डॉ. महेश भुटानी, मुख्य ब्लाक शिक्षा अधिकारी जगदीश नागर, प्रेमचंद मीणा जिला परिषद सदस्य, पूर्व प्रधान गोकुल रावल, कैलाशचंद जैन पुर्व चेयरमैन, रामप्रसाद नागर, शिक्षा

सहकारी कोटा के मंत्री जमनालाल गुर्जर, डायरेक्टर कमल शर्मा, रवि गोतम रहें। मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी ने रक्तदान को महादान बताया और कहा कि सभी को जीवन मे रक्तदान जरूर करना चाहिए। मुख्य वक्ता प्रकाश शिक्षा सहकारी कोटा के अध्यक्ष जायसवाल ने कहा कि रक्तदान करके हम किसी का जीवन बचा सकते हैं। जितनी तारीफ की जाये कम हैं। फाउंडेशन के बारां जिलाध्यक्ष नन्दलाल केसरी ने बताया कि शिविर में रक्तवीरांगा ममता नागर सहित 95 पुलिस जवानों, युवाओं ने उत्साह के रक्तदान किया। जिला ब्रांड एंबेसडर संजय कुमार मेघवाल ने बताया कि सत्यनारायण मीणा, रामगोपाल धाकड ने देहदान करने का संकल्प लिया। शिविर में खोपर, कोहणी, रीझा, रीझडी, कांसल, बोहरा, कैशोली, गुरूखेडी, पीपलिया, बाउडीखेडा, खेडला, राजपुरा, शाहाबाद से आकर लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों का दिनभर तांता लगा रहा। सत्यनारायण मीणा ने बताया कि शिविर मे दिनेश नागर भानेज, हरिश मीणा गुरूखेडी, धन्नालाल, रामेश्वर कांसल, कौशल खोपर, जानकीलाल, रामप्रसाद बालापुरा, योगेंद्र रिझडी, आशिष केशोली, यशवंत कोहनी, नन्दकिशोर एडवोकेट, राकेश पीपलिया, हंसराज रिझा, हंसराज नयागांव, गोपाल रिछडी, प्रहलाद खोपर, चेतन शर्मा, मुकेश कोहनी, जिरेंद्र गालव सहित ने सहयोग किया।फाऊंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. अनिल मर्मिट ने बताया कि बारां ब्लड बैंक की टीम ने डॉ. राजेंद्र मालव और नर्सिंग ऑफिसर संजय मेघवाल के नेतृत्व मे रक्तसंग्रह किया। सभी का जिलाध्यक्ष नंदलाल केसरी तथा जिला संयोजक दुर्गाप्रसाद प्रजापति ने आभार व्यक्त किया।

कृषक प्रशिक्षण केंद्र नीमराना में किसान मेला एवं कृषि आउटरीच प्रोग्राम-2025 का भव्य आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना, पंजाब नेशनल बैंक कृषक प्रशिक्षण केंद्र, नीमराना में किसान मेला एवं कृषि आउटरीच प्रोग्राम-2025 का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 450 किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान किसानों को नवीन कृषि तकनीक, उन्नत बीज, खाद, पशु आहार एवं स्वरोजगार से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने हेतु कुल 14 स्टॉल लगाए गए। इनमें कैटल फीड, उर्वरक, कीटनाशक, आरसेटी, बाजार आधारित केस-स्टडी आदि प्रमुख रूप से शामिल रहें। कार्यक्रम में किसान दिवस के अवसर पर 'एक सम्मान - अन्नदाता का' अंतर्गत प्रगतिशील एवं नवाचार करने वाले किसानों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। सम्मानित किसानों में बाबूलाल शर्मा, वर्मी कम्पोस्ट यूनिट एवं जैविक खेती, सुनील कुमार,

बागवानी, गुरु दयाल, सब्जी उत्पादन, बनवारी लाल, मास्टर फार्मर, सूत्रण सिंह, मास्टर फार्मर, रामचंद्र स्वामी, विदेशी फल एवं सब्जी उत्पादन, देवेंद्र कुमार, सब्जी उत्पादन, मोहित यादव, वर्मी कम्पोस्ट यूनिट, रामेश्वर, बेल वाली सब्जी उत्पादन, हवा सिंह, सब्जी बीज उत्पादन, सूरजभान, मशरूम कल्टीवेशन, निशा राणा, सिलाई, नवीन कुमार, पंकज कुमार शामिल थे। कार्यक्रम में कोटपूतली-बहरोड़ एवं खैरथल-तिजारा क्षेत्र की पंजाब नेशनल बैंक की लगभग 22 शाखाओं ने सहभागिता की। इस अवसर पर किसानों को किसान दिवस से पूर्व कृषि ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। पीएनबी रक्षक योजना के अंतर्गत शहीद के पिता राम अवतार चौधरी को 50 लाख रुपए की निशुल्क बीमा राशि का चेक प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत संतरा देवी (शाखा हरसोरा) को 2,00,000 का बीमा दावा चैक सौंपा गया। साथ ही स्वयं सहायता समूहों को भी ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र सिंह यादव, एसडीएम नीमराना, श्वेतांक कुमार, मंडल प्रमुख, पीएनबी अलवर, दीपक जाखड़, डीडीएम, नाबार्ड, राकेश कुमार यादव, सहायक निदेशक कृषि, मोहनलाल मीणा, अग्रणी जिला प्रबंधक, प्रिंस सक्सेना, बीपीएम, राजीविका नीमराना ने गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। केंद्र के निदेशक रंजीत कुमार यादव ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी किसान मेला आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, गुणवत्तापूर्ण बीज-खाद की जानकारी प्रदान करना एवं उन्हें आवश्यक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराकर आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में सभी सहभागियों के लिए भोजन की समुचित व्यवस्था की गई। अंत में सभी किसानों को किसान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम के सफल समापन की घोषणा की गई।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुलोठ खुर्द में पुण्यतिथि पर विद्यार्थियों को जूते-जुराब वितरित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

सोमवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुलोठ खुर्द में डूडी परिवार द्वारा भलिया देवी की पुण्यतिथि के अवसर पर एक सेवाभावी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में अध्ययनरत समस्त विद्यार्थियों को जूते एवं जुराब वितरित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य ओमप्रकाश ने की। मुख्य अतिथि हुकमचन्द एवं विशिष्ट अतिथि सरपंच प्रतिनिधि रणवीर सिंह बरबर रहे। कार्यक्रम में मा. अमर सिंह डूडी, भलिया देवी बालिका कॉलेज के निदेशक डॉ. रामसिंह डूडी, देवेन्द्र, लोकेश डूडी, अभिनेश, संचित डूडी, अनावी डूडी, पल्लवी डूडी, सहित संतोष, सुमित्रा, सुमन, सीमा, अनिता देवी तथा विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। इस अवसर पर डॉ. रामसिंह डूडी ने अपनी माता स्व. भलिया देवी की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि माता की स्मृति में शिक्षा व सेवा से जुड़े कार्य करना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद विद्यार्थियों की सहायता कर उन्हें पढ़ाई के लिए प्रेरित करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रधानाचार्य ओमप्रकाश ने डूडी परिवार द्वारा किए गए

इस पुनीत कार्य की सराहना करते हुए परिवार का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सेवा कार्य विद्यार्थियों में संस्कार, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने डूडी परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया और आयोजन को प्रेरणादायी बताया।

सुशासन पखवाड़ा के तहत विकास रथ यात्रा, जनसुनवाई व विकास कार्यों का लोकार्पण

चनाणा, किठाना, गिडानिया व सुल्ताना में विधायक राजेंद्र भांबू ने की जनसुनवाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

भजनलाल सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'बढ़ता राजस्थान, हमारा राजस्थान - नव उत्थान, नई पहचान' अभियान के अंतर्गत सुशासन पखवाड़ा के दौरान विकास रथ यात्रा का आयोजन किया गया। विधायक राजेन्द्र भांबू के नेतृत्व में आयोजित इस यात्रा के दौरान ग्राम पंचायत चनाना, किठाना, गिडानिया एवं नगरपालिका सुलताना में जनसुनवाई आयोजित की गई। साथ ही विभिन्न विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण किए गए। जनसुनवाई के दौरान विधायक राजेन्द्र भांबू ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता अंतिम व्यक्ति तक सुशासन, पारदर्शिता और विकास पहुँचाना है। विकास रथ यात्रा के माध्यम से सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को आमजन तक

पहुँचाया जा रहा है। इस अवसर पर सुशासन पखवाड़ा के प्रभारी रतन सिंह तंवर, संयोजक मुकेश पातुसरी, सह-संयोजक बाबूलाल माहिच, विशम्भर पुनिया, सुलताना से राजकुमार जांगिड़, किठाना सरपंच हीरेंद्र धनखड़, सुरेन्द्र बड़सरा, सुरेश बड़सरा, राजकुमार मुंड, सुरेन्द्र भांबू, महेन्द्र सेन, राजपाल, राजवीर, जयप्रकाश सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहें।कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी दी गई तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समग्र विकास के संकल्प को दोहराया गया।

आयुर्वेद विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. रमेश मीणा ने किया दस दिवसीय क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा शिविर का औचक निरीक्षण

व्यवस्थाओं से प्रभावित होकर आयोजक टीम को दिया साधुवाद

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

राज्य सरकार के निर्देशानुसार झुंझुनूं में आयोजित दस दिवसीय अंतरंग क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा शिविर के गुणवत्ता परीक्षण हेतु नियुक्त राज्य स्तरीय अधिकारी एवं आयुर्वेद विभाग अजमेर के अतिरिक्त निदेशक डॉ. रमेश मीणा ने रविवार रात्रि करीब 8.30 बजे कैम्प स्थल एनआरडीडी अस्पताल, झुंझुनूं का औचक निरीक्षण किया। लगभग तीन घंटे तक चले निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिविर की समस्त व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान डॉ. मीणा ने अस्पताल में भर्ती 124 रोगियों से मुलाकात कर ऑपरेशन प्रक्रिया, लैब जांच, औषधि वितरण, भोजन व आवास व्यवस्था, साफ-सफाई तथा चिकित्सकीय व नर्सिंग स्टाफ की कार्यप्रणाली को लेकर विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने स्वयं रोगियों के लिए निर्धारित पथ्य आहार का परीक्षण कर उसकी गुणवत्ता परखी। रोगियों से मिली सकारात्मक प्रतिक्रियाओं पर डॉ. मीणा ने आयुर्वेद विभाग की पूरी टीम एवं एनआरडीडी अस्पताल के निदेशक डॉ. संदीप ढूकिया द्वारा प्रदत्त सहयोग की सराहना करते हुए इसे पूरे राजस्थान के लिए एक आदर्श मॉडल बताया।

प्रभारी अधिकारियों के साथ बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

देर रात्रि उन्होंने सभी वार्ड प्रभारी, ओटी प्रभारी, लैब, औषधि वितरण, भोजन एवं आवास तथा साफ-सफाई प्रभारियों के साथ बैठक कर संबंधित रिकार्ड की जांच की। मानक मापदंडों की समुचित पालना पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने उपनिदेशक आयुर्वेद विभाग को निर्देश दिए कि इस शिविर की संयुक्त रिपोर्ट को 'सक्सेस स्टोरी' के रूप में तैयार किया जाए, जिससे भारत सरकार से आगामी वर्षों में झुन्झुनू के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त की जा सके। निरीक्षण के दौरान डॉ. जितेन्द्र स्वामी (उपनिदेशक आयुर्वेद विभाग), शिविर प्रभारी डॉ. महेश माटोलिया, मुख्य सर्जन डॉ. सुनील कानोड़िया तथा एनआरडीडी अस्पताल निदेशक डॉ. संदीप ढूकिया उपस्थित रहे।

आठवें दिन तक 103 सफल ऑपरेशन

शिविर प्रभारी डॉ. महेश माटोलिया एवं सर्जन डॉ. सुनील कानोड़िया ने बताया कि 15 दिसंबर से प्रारंभ इस दस दिवसीय शिविर में भर्ती 126 रोगियों में से अब तक 103 रोगियों के पाइल्स, फिस्टुला, फिशर व सायनस जैसी बीमारियों के सफल ऑपरेशन किए जा चुके हैं। सभी रोगी चिकित्सकीय निगरानी में स्वयं को स्वस्थ एवं प्रसन्न महसूस कर रहे हैं। शेष 23 रोगियों को सामान्य चिकित्सा प्रदान कर स्वास्थ्य कारणों से उच्च चिकित्सा संस्थानों के लिए रेफर किया गया है।

हजारों रोगी हो चुके लाभान्वित

उपनिदेशक डॉ. जितेन्द्र स्वामी ने जानकारी दी कि अब तक कुल 2549 रोगियों को आयुर्वेद की विशिष्ट चिकित्सा पद्धतियों–क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा, पंचकर्म थेरेपी, अग्निकर्म एवं विद्धकर्म–से लाभान्वित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त रोग प्रतिरोधक क्वाथ, योग कक्षाओं एवं स्वस्थ जीवनशैली परिचर्या के माध्यम से 4020 महिला व पुरुषों को लाभ मिला है।उन्होंने बताया कि शिविर के अंतिम दो दिवस 23 व 24 दिसंबर को 0 से 16 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए निःशुल्क स्वर्ण प्राशन संस्कार का आयोजन निरामया आयुर्वेद के आर्थिक सहयोग से किया जाएगा।

बायोवेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम का बारीकी से निरीक्षण

अतिरिक्त निदेशक डॉ. मीणा ने ओटी एवं लैब का निरीक्षण करते हुए बायोवेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम की सख्ती से जांच की। उन्होंने एनआरडीडी अस्पताल द्वारा बायोवेस्ट मैनेजमेंट कंपनी के साथ किए गए एमओयू एवं प्रतिदिन बायोवेस्ट के सुरक्षित निस्तारण की व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया।

पंजाब नेशनल बैंक ने शहीद के परिवार को सौंपा 50 लाख रुपये का बीमा क्लेम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । पंजाब नेशनल बैंक ने अपने ग्राहकों के प्रति अपनी संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व को एक बार फिर साबित किया है। बैंक ने शहीद सुभाष चन्द्र चौधरी के परिवार को 50 लाख रुपये का बीमा क्लेम सौंपा है। सुभाष चन्द्र चौधरी भारतीय सेना में कार्यरत थे और पीएनबी रक्षक योजना के अंतर्गत खाता धारक थे। उनके देहांत के बाद, बैंक ने उनके नामिती पिताजी श्री रामवतार चौधरी को 50 लाख रुपये की निःशुल्क व्यक्तिगत बीमा राशि का चेक प्रदान किया। यह चेक एस.डी.एम. नीमराना श्री महेन्द्र सिंह यादव, पंजाब नेशनल बैंक, अलवर मंडल के मंडल प्रमुख श्वेतांक कुमार, नाबार्ड कोटपूतली -बहरोड के डीडीएम दीपक जाखड, अग्रणी जिला प्रबंधक मोहन लाल मीना, शाखा बर्डोद के वरिष्ठ प्रबंधक नरूण, कृषक प्रशिक्षण केन्द्र नीमराना के निदेशक रंजीत जी व अन्य गणमान्य नागरिकों द्वारा विधिवत रूप से सुपुर्द किया गया। इस अवसर पर बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मंडल प्रमुख श्वेतांक कुमार ने कहा कि 'बैंक या कोई भी संस्था किसी प्रियजन की क्षति की भरपाई नहीं कर सकती, लेकिन पंजाब नेशनल बैंक की विभिन्न जमा एवं बीमा योजनाएं कठिन समय में परिवार को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने का मजबूत माध्यम बनती हैं। '

चिड़ावा नगर पालिका के ईओ रोहित कुमार मील को किया एपीओ

पिलानी ईओ सुनील कुमार सैनी को मिला अतिरिक्त प्रभार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

राजस्थान सरकार के स्वायत्त शासन विभाग ने एक बड़ा प्रशासनिक निर्णय लेते हुए चिड़ावा नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी एपीओ कर दिया है। विभाग द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, चिड़ावा में कार्यरत अधिशाषी अधिकारी-तृतीय रोहित कुमार मील को प्रशासनिक कारणों का हवाला देते

हुए तुरंत प्रभाव से कार्यमुक्त कर दिया गया है। आदेश के तहत रोहित कुमार मील का मुख्यालय अब निदेशालय (जयपुर) कर दिया गया है। उन्हें 'आदेशों की प्रतीक्षा' (APO) में रखते हुए निर्देशित किया गया है कि वे अविलम्ब जयपुर स्थित निदेशालय में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएं।चिड़ावा नगर पालिका में कामकाज प्रभावित न हो, इसके लिए विभाग ने वैकल्पिक व्यवस्था भी तुरंत लागू कर दी है। अब विद्याविहार नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी सुनील कुमार सैनी चिड़ावा नगर पालिका का कामकाज संभालेंगे। राजस्व अधिकारी-द्वितीय सुनील कुमार सैनी अपने वर्तमान पद के साथ-साथ चिड़ावा के अधिशाषी अधिकारी पद का अतिरिक्त कार्यभार भी अग्रिम आदेशों तक देखेंगे। यह आदेश स्वायत्त शासन विभाग, राजस्थान के कार्मिक अनुभाग द्वारा जारी किया गया है। स्थानीय राजनीति और प्रशासनिक गलियारों में इस अचानक हुए बदलाव को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

नर्मदा देवी सिंघानिया इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी।

सिंघानिया विश्वविद्यालय परिसर पचेरी स्थित नर्मदा देवी सिंघानिया इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता (एनुअल स्पोर्ट्स मीट) का भव्य शुभारम्भ किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन ऑनलाइन माध्यम से विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट डॉ. मनोज कुमार (सेवानिवृत्त आईएएस) ने किया। उद्घाटन समारोह के दौरान रंग-बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े गए, खेल मशाल प्रज्ज्वलित की गई तथा विभिन्न हाउस के विद्यार्थियों ने अनुशासित मार्च पास्ट कर अतिथियों को सलामी दी। कार्यक्रम में खेल भावना और अनुशासन का उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला।

खेलों से होता है सर्वांगीण विकास

उद्घाटन अवसर पर संबोधित करते हुए डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इससे छात्रों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास होता है। विश्वविद्यालय के प्रो-वाइस चांसलर डॉ. पवन त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा के साथ खेलों का संतुलन विद्यार्थियों को शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाता है। वहीं विद्यालय के प्राचार्य डॉ. विजय कुमार ने बताया कि विद्यालय का उद्देश्य छात्रों में खेल भावना विकसित कर उन्हें स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।आयोजन समिति के अनुसार यह इंटर-हाउस वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता तीन दिनों तक आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग के लिए 100 मीटर, 400 मीटर एवं 1600 मीटर दौड़, लॉन्ग जंप, हाई जंप, खो-खो, कबड्डी, वॉलीबॉल तथा बैडमिंटन सहित विभिन्न खेलों का आयोजन किया जाएगा।

चिड़ावा कॉलेज के ह्स्स शिविर का भड़ौंदा में समापन, समाज सेवा के संकल्प के साथ स्वयंसेवकों ने दी प्रस्तुतियां

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

सोमानी एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित क्षेत्र की अग्रणी उच्च शिक्षण संस्था, चिड़ावा कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्स्स) के सात दिवसीय विशेष वार्षिक शिविर का आज औपचारिक समापन हुआ। शिविर के अंतिम दिन स्वयंसेवकों ने गोद लिए हुए गांव भड़ौंदा (वृन्दावन) का शैक्षणिक व सामाजिक भ्रमण कर सेवा कार्यों की मिसाल पेश की।

भ्रमण दल को सुबह 11 बजे महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. ऋचा कुलश्रेष्ठ ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भड़ौंदा पहुँचकर छात्र-छात्राओं ने बिहारी जी मंदिर परिसर में गहन सफाई अभियान चलाया। विद्यार्थियों ने श्रमदान के माध्यम से सामुदायिक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम के अगले चरण में आयोजित बौद्धिक सत्र के मुख्य अतिथि ह्स्स जिला समन्वयक शशि प्रकाश अहलावत रहे। अहलावत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ह्स्स का मूल उद्देश्य परोपकार, सामुदायिक सेवा और चरित्र निर्माण है। उन्होंने युवाओं को मोबाइल फोन के बढ़ते दुष्प्रभावों के प्रति सचेत किया और साइबर फ्रॉड से बचते हुए व्यक्तित्व निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। शिविर के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को सम्मानित भी किया गया। जिसमें श्रेष्ठ स्वयंसेवक- सुमित टंडन, श्रेष्ठ स्वयंसेविका- मनीषा सोलंकी दोनों विजेताओं को स्मृति चिन्ह प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन नवनीत शर्मा द्वारा किया गया।अंत में इकाई प्रभारी इतिका जांगिड़ और अभिषेक सैनी ने अतिथियों व ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया। इस भ्रमण दल में कुल 65 विद्यार्थी शामिल रहे, जिन्होंने पूरे उत्साह के साथ सात दिवसीय गतिविधियों को संपन्न किया।

तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का हुआ आगाज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.अजीतगढ़।

अजीतगढ़ पीजी एवं बाबा श्याम टीटी कॉलेज अजीतगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में सोमवार को तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आगाज हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ निदेशक विजय यादव ने दीप प्रज्वलित कर विधिवत उद्घाटन किया। खेल प्रतियोगिता के प्रथम दिन एथलेटिक्स वॉलीबॉल कबड्डी का आयोजन हुआ, जिसमें खेल प्रभारी अनुज यादव व कोच मोहनलाल ने बताया 200 मीटर दौड़ छात्रा वर्ग में टीना सैनी प्रथम पलक शर्मा द्वितीय स्थान व छात्र वर्ग में राहुल सैनी प्रथम एवं अंकित सिंह द्वितीय स्थान पर रहा। लंबी कूद में छात्र राधा मीणा प्रथम एवं वर्षिता जांगिड़ द्वितीय स्थान व छात्र वर्ग में देवेंद्र बाकोलिया प्रथम वी जतिन कुलदीप द्वितीय स्थान पर रहा। वॉलीबॉल प्रतियोगिता छात्र वर्ग में बी.एंड. प्रथम वर्ष विजेता रही महिला वर्ग में बीए बीएड द्वितीय वर्ष विजेता रही। कबड्डी छात्र वर्ग में बीएससी प्रथम वर्ष एवं छात्र वर्ग में बीए द्वितीय वर्ष विजेता रही सभी विजेता खिलाड़ियों एवं टीम को निदेशक विजय यादव प्राचार्य डॉ श्रवण नोगिया,डॉ राकेश यादव उप्राचार्य मुकेश महरिया ने बधाई दी खेल प्रतियोगिता में छाजू राम नेमीचंद राजेंद्र,? बलदेव सैनी माली राजेंद्र शर्मा ओम प्रकाश यादव चरंजीलाल शंकरलाल, राजकुमारी, सुमन यादव, दीपिका भारद्वाज, प्रियंका, चंदा सैनी ने अपनी अपनी टीमों के साथ शानदार प्रदर्शन किया। मंच संचालन शम्भु दयाल भारद्वाज ने किया।

माता केशरी देवी महिला महाविद्यालय खेतड़ी में एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

सोमवार को माता केशरी देवी महिला महाविद्यालय, खेतड़ी में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर का विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदीप सिंह राठौड़ (अम्बुजा फाउंडेशन ग्रुप, चिड़ावा) रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र कुमार बैरवा ने की। वहीं विशिष्ट अतिथियों के रूप में दीपा मैडम, पवन कुमार सैनी एवं रामसिंह थें उपस्थित रहें। अतिथियों का महाविद्यालय परिवार की ओर से स्वागत एवं सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि प्रदीप सिंह राठौड़ ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाओं को साइबर अपराध से बचाव, डिजिटल जागरूकता, कौशल विकास एवं उद्यमिता विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे तकनीक का सकारात्मक उपयोग करें और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कौशल अर्जन पर विशेष ध्यान दें।कार्यक्रम के अंत में सभी स्वयंसेविकाओं को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई, जिसमें परिसर एवं समाज को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर मंजू देवी, शौभा, मनीषा कंवर, किरण पारिक, पूजा, तनू विश्वभर सहित महाविद्यालय की समस्त छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समापन एनएसएस शिविर के सफल आयोजन एवं समाजसेवा के संकल्प के साथ किया गया।

नर सेवा ही नारायण सेवा, कड़कड़ाती ठंड में लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने बांटे कंबल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

'शराब से नाता तोड़ो, दूध से रिश्ता जोड़ो' के ध्येय वाक्य के साथ मानवता की सेवा में जुटे लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट द्वारा भीषण सर्दी के बीच जरूरतमंदों की मदद का अभियान निरंतर जारी है। इसी क्रम में ट्रस्ट द्वारा चौथे चरण का सेवा प्रकल्प चिड़ावा नगरपालिका के पीछे स्थित लोहार बस्ती के शिव मंदिर प्रांगण में अनिल दाधीच द्वारा बताई जरूरतमंद जगह पर आयोजित किया गया, जहाँ असहाय एवं जरूरतमंद परिवारों को गर्म कंबल भेंट किए गए। कार्यक्रम का आयोजन ट्रस्ट के जिला प्रभारी राधेश्याम शर्मा सुखाड़िया के नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय कुटुंब प्रबोधन संयोजक एवं बीकानेर शिक्षा विभाग के निदेशक गोमाराम उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला सह-संघचालक संदीप जोशी, शिक्षाविद देवीदत्त शर्मा, संतोष अरड़ावतिया, श्याम सुंदर शर्मा, रामजी लाल सैनी एवं श्याम सुंदर वर्मा मौजूद रहें। कार्यक्रम की शुरुआत में जिला प्रभारी राधेश्याम शर्मा ने अतिथियों का ट्रस्ट का दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया। तहसील प्रभारी रजनीकांत मिश्रा ने ट्रस्ट का गीत गाकर उसका भावार्थ समझाया। मुख्य अतिथि गोमाराम ने कहा कि दीन-दुखियों की सेवा ही सबसे सुंदर कार्य है, जिससे ईश्वर प्रसन्न होते हैं। शिक्षाविद देवीदत्त शर्मा ने समाज के सामर्थ्यवान लोगों से अपनी नेक कमाई का कुछ अंश सेवा कार्यों में लगाने की अपील की।

अनिल दाधीच (निदेशक, एमआरएस प्रनामी स्कूल) ने सभी पदाधिकारियों का आभार जताते हुए कहा कि सेवा का कोई विकल्प नहीं है। ट्रस्ट के सदस्य संतोष अरड़ावतिया ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि ट्रस्ट द्वारा पिछले 5 वर्षों से 31 दिसंबर को दुग्ध महोत्सव मनाया जा रहा है। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश देते हुए सभी को इस महोत्सव में शामिल होने का निमंत्रण दिया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों और ट्रस्ट के सदस्यों ने कतारबद्ध तरीके से सभी जरूरतमंदों को एक-एक कर कंबल ओढ़ाए। इस सेवा कार्य को देख बस्ती के लोगों ने ट्रस्ट का आभार जताया।

गुढ़ागौड़जी में 11 जनवरी को होने वाले रक्तदान व निशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर के पोस्टर का विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.गुढ़ागौड़जी।

गुढ़ागौड़जी में आगामी 11 जनवरी 2026 को आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर एवं निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर के पोस्टर का विमोचन किया गया। यह शिविर सर्व समाज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। पोस्टर विमोचन के अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने युवाओं से बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान करते हुए रक्तदान के महत्व पर विशेष जोर दिया। भाजपा नेता एवं शिक्षाविद डॉ. वीरपाल सिंह शेखावत ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को रक्तदान के लिए प्रेरित करना है, ताकि जरूरतमंदों की समय पर सहायता हो सके। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे इस पुनीत और नेक कार्य में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर मानव सेवा में अपना योगदान दें। एडवोकेट किशन गोरसिया ने जानकारी दी कि यह शिविर घूमचक्कर विवेकानंद सर्किल स्थित मोदियों की धर्मशाला में सुबह 9 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित होगा। शिविर के दौरान अनुभवी चिकित्सकों द्वारा निशुल्क चिकित्सा परामर्श भी प्रदान किया जाएगा, जिससे आमजन को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में लाभ मिल सके। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट, गुढ़ागौड़जी के प्रभारी दिनेश सांखला, पवन कुमावत, विष्णु सिंह राठौड़, अशोक कुमावत, रणवीर सिंह, तनुज कुमावत, डॉ. सुरेंद्र कुमार सोनी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने शिविर को सफल बनाने हेतु सामूहिक सहभागिता का आह्वान किया।

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर विश्व हिंदू परिषद प्रखंड मंडावर ने सौपा ज्ञापन

प्रधानमंत्री के नाम एसडीएम मंडावर को ज्ञापन सौंपकर सरकार से शीघ्र कड़े कदम उठाने की रखी मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । प्रखंड क्षेत्र में सोमवार को विश्व हिंदू परिषद से जुड़े पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रखंड अध्यक्ष भोलासिंह राजपूत के नेतृत्व में एकजुट होकर मंडावर उपखंड अधिकारी अमित वर्मा को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा। ग्रामीण परिवेश की धरती से उठी यह मांग सीधे उस दर्द और पीड़ा को आवाज़ देती है, जो इन दिनों बांग्लादेश में हिन्दू समुदाय पर लगातार हो रहे अत्याचारों के बीच पूरे देश का मन विचलित कर रही है। ज्ञापन में बताया गया कि बांग्लादेश में हिन्दुओं पर खुला अत्याचार, भीड़ तंत्र द्वारा लूट, बलात्कार, मारपीट और हत्या जैसे अमानवीय अपराध लगातार बढ़ रहे हैं और वहां मौजूद मानवाधिकार संगठन भी ऐसी घटनाओं पर प्रभावी भूमिका नहीं निभा पा रहे, जिसके चलते हालात और भयावह होते जा रहे हैं। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि जिस तरह इजराइल ने अपने नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए कठोर और निर्णायक कदम उठाए तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में असामाजिक और कट्टरपंथी तत्वों के खिलाफ कानून का सख्ती से उपयोग कर कड़ा संदेश दिया, उसी प्रकार भारत सरकार को भी तुरंत हस्तक्षेप करते हुए बांग्लादेश में बसे हिन्दुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। संगठन के कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि वहाँ सक्रिय कट्टरपंथी समूहों को सामान्य समझाइश या नरमी से काबू में लाना संभव नहीं है, इसलिए भारत सरकार को कड़े, प्रभावी और न्यायोचित कदम उठाने की ज़रूरत है, ताकि वहां रहने वाले हिन्दू सुरक्षित रह सकें और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की मजबूत आवाज़ दर्ज हो। ज्ञापन सौंपने के दौरान तेजसिंह नरुका, सुरेन्द्रसिंह नरुका, ओकारसिंह राजपूत, शुभमसिंह राजपूत सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहें।

राजस्थान नर्सिंग एसोसिएशन ब्लॉक पलसाना के चुनाव संपन्न

तारा महला अध्यक्ष सरिता ढाका सचिव बनी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पलसाना।

राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन जिला कार्यकारिणी सीकर की देखरेख में राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन ब्लॉक पलसाना के चुनाव संपन्न हुए। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन ब्लॉक पलसाना अध्यक्ष के चुनाव संपन्न हुए। जिसमें ब्लॉक अध्यक्ष तारा महला उपाध्यक्ष हरि सिंह गुर्जर और सचिव सरिता ढाका को सर्व समिति से चुना गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता दानवीर सिंह माडोता ने की तथा मुख्य अतिथि रामनिवास चाहर रहें वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर अनिल बाजिया, बीरबल सिंह, सतीश कुमार बिजारणिया, श्रीराम जाखड़, देशराज नेहरा, विमला तेतरवाल और शीशराम हरितवाल, आशा, सुशीला रूबी, संजू तथा ब्लॉक के अनेक नर्सिंग ऑफिसर उपस्थित हुए। मंच संचालन महेंद्र मिल ने किया।

राष्ट्रीय सैनी सभा की राष्ट्रीय कोर कमेटी की मीटिंग आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

राष्ट्रीय सैनी सभा की राष्ट्रीय स्तरीय कोर कमिटी बैठक डूंडलोद सैनीपुरा में आयोजित हुई। मीटिंग में संस्था के आगे की रणनीति को लेकर विचार विमर्श हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सैनी सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश कुमार सैनी, राष्ट्रीय महासचिव जय भगवान सैनी, राष्ट्रीय सचिव एडवोकेट बाबूलाल सैनी जयपुर, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष तेजपाल सिंह सैनी, राष्ट्रीय संगठन सचिव मनोहर लाल सैनी, राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी महेश कुमार सैनी, प्रदेश महासचिव उत्तरप्रदेश प्रवीण सैनी, प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान डॉ श्रवण कुमार सैनी, महिला प्रदेश अध्यक्ष श्रीमति उषा सैनी, डॉ मनोज कुमार सैनी प्रदेश महासचिव प्रदेश कोषाध्यक्ष मुख्य अतिथि को माला व साफा पहना कर भव्य स्वागत किया जिसमें राजस्थान के अलग अलग जिलों से जिला अध्यक्ष मीटिंग में पहुंचे। जिला अध्यक्ष डॉ महेश कुमार सैनी ने बताया कि समाज के उत्थान के लिए विचार विमर्श किया। सीताराम सैनी नगर अध्यक्ष डूडलोद व सुभाष चौबदार पत्रकार प्रदेश मीडिया प्रभारी राजस्थान ने आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर लक्ष्मी सैनी एडवोकेट, महिला जिला अध्यक्ष युवा झुंझुनूं, ऋतु सैनी बगड़, महिला जिला अध्यक्ष झुंझुनूं अंजू सैनी, बिरोल जिला संरक्षक झुंझुनूं मनीष कुमार सैनी, जिला अध्यक्ष युवा झुंझुनूं ओमप्रकाश सैनी चिड़ावा, जिला संरक्षक झुंझुनूं नीलम सैनी एडवोकेट उदयपुरवाटी, जिला उपाध्यक्ष झुंझुनूं राजकुमार सैनी, नगर अध्यक्ष सूरजगढ़ बाबूलाल सैनी, विधानसभा अध्यक्ष मंडावा हरिराम सैनी, जिला उपाध्यक्ष झुंझुनूं महेश सैनी चिराना विधानसभा सचिव नवलगढ़ प्रभु हलवाई जिला संरक्षक झुंझुनूं डॉ अनूप सैनी नवलगढ़ व डूंडलोद नवलगढ़ के सैनी समाज के गणमान्य नागरिक मौजूद रहें।

नगर पालिका बुहाना में 'बढ़ता राजस्थान-हमारा राजस्थान' विकास रथ का स्वागत, सरकार की 2 वर्ष की उपलब्धियों पर चर्चा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित 'बढ़ता राजस्थान-हमारा राजस्थान' विकास रथ स्वागत यात्रा के तहत नगर पालिका बुहाना में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संबोधन का लाइव प्रसारण किया गया, जिसे बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं आमजन ने सुना। कार्यक्रम का संयोजन सुभाष शर्मा के नेतृत्व में किया गया, जहां राज्य सरकार की योजनाओं, विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने सरकार की नीतियों को जनहितकारी बताते हुए आमजन तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाने पर जोर दिया। इस अवसर पर संतोष अहलावत, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष रतन सिंह तंवर, पूर्व प्रधान राजपाल सिंह तंवर, भरत बोहरा, वर्षा सोमरा, विकास अधिकारी अशोक कुमार, तहसीलदार बजरंग लाल, विकास भालोठिया, शेर सिंह मान, चेयरमैन दशरथ सिंह सहित भाजपा के अनेक जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी मौजूद रहें। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि विकास रथ के माध्यम से सरकार की दो वर्षों की उपलब्धियों को गांव-गांव और शहर-शहर तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे आमजन सरकार की योजनाओं से सीधे जुड़ रहा है।

अरावली चेतना संस्थान सेवा समिति व अरावली संघर्ष समिति की ओर से उपखंड अधिकारी सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । अरावली चेतना संस्थान सेवा समिति व अरावली संघर्ष समिति उदयपुरवाटी की तरफ से उपखंड अधिकारी को सोमवार को ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री भारत सरकार से मांग की गई कि अरावली भारत की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला है जो लगभग 2.5 अरब साल विश्व की पुरानी पर्वत है जो हिमालय पर्वत से भी पुरानी मानी जाती है, वह अपने अस्तित्व की गंभीर लड़ाई लड़ रही है आज तक अरावली ने कई सभ्यताओं को जन्म दिया है सभ्यताएं फली फूली हैं हाल ही में भारत के सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया है कि अरावली पर्वत और पहाड़ियां जो 100 मीटर से अधिक को ही अरावली क्षेत्र माना है, जो मात्र057 प्रतिशत क्षेत्र है,उनको पहाड़ मानने की प्रशासनिक प्रवृत्ति सामने आई है जिससे अरावली का विशाल भू भाग90-92 प्रतिशत हिस्सा कानूनी संरक्षण खो देगा। अरावली की चट्टानी संरचना वर्षा जल को रोककर उसे जमीन में समाहित रखने की अद्भुत क्षमता रखती है।

अरावली बचेगी तभी हमारी नस्ले बचेंगी

भीम प्रज्ञा विशेष रिपोर्ट।

रामसिंह बगरानिया

सामाजिक व स्वतंत्र विचारक

केंद्र सरकार के पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने माननीय उच्चतम न्यायालय में अरावली की नई परिभाषा तय करने हेतु सुझाव दिए जिस पर उच्चतम न्यायालय ने अरावली की नई परिभाषा तय करते हुए 100 मीटर से अधिक पर्वतों को ही अरावली का हिस्सा माना गया है जो हमारी आने वाली नस्लों के लिए खतरनाक साबित होगा। नई परिभाषा के अनुसार मात्र 8.7 प्रतिशत ही अरावली का हिस्सा रहेगी जो बहुत ही भयावह स्थिति पैदा होगी। अरावली की कुल लंबाई रायसीना हिल्स से लेकर गुजरात तक 692 किमी (420 मील) है जिसमें 550 किमी राजस्थान में स्थित है। अरावली हिमालय से 3.2 बिलियन वर्ष पुरानी मानी गई है। अरावली कोई पहाड़ों की श्रृंखला नहीं बल्कि पश्चिम भारत की पर्यावरण संतुलन की रीढ़ है अरावली एक शब्द नहीं है यह हमारा इतिहास , वर्तमान , भविष्य , हमारी संस्कृति , हमारी सभ्यता है। अरावली को कमजोर करना हमारे भविष्य के लिए आत्मघाती फैसला सिद्ध होगा। हानि पहाड़ों की नहीं बल्कि परिस्थिति तंत्र की होगी। अरावली में 300 से अधिक वन्य जीव जंतुओं की प्रजातियों की शरणस्थली है। अरावली बनास, साबरमती, लूणी, रक्षाकवच है उत्तर भारत की ढाल है अरावली की गोद में हजारों सालों पहले सभ्यताओं का जन्म हुआ वहां मानव जाति की धड़कने धड़का करती थी। अरावली में पांच बाघ परियोजनाएं है छठी प्रस्तावित है फिर भी अरावली को बिना किसी अपराध के मृत्युदंड की सजा सुना दी गई। अरावली के टूटने से रेगिस्तान का प्रसार होगा , तेज धूलभरी आंधियां चलेंगी, भूजल का स्तर गिरेगा, तापमान में बढ़ोतरी होगी, नदिया सुख जाएंगी, जीव जंतु खत्म हो जाएंगे, लू का प्रकोप बढ़ेगा, खेती नष्ट होगी, किसान पलायन करेगा, पशु पालन खत्म होगा, जंगल तथा जैव विविधता समाप्त हो जाएगी, जीवन असुरक्षित होगा। यह विकास का नहीं बल्कि विनाश का ब्लू प्रिंट है अरावली टूटेगी तो सिर्फ पत्थर नहीं टूटेंगे बल्कि हमारा भविष्य भी टूटेगा। लाखों लोगों को जीवनदान देने वाली अरावली, इसकी गोद में रहने वाले आदिवासी, मानव जाति की जन्मदात्री अरावली की छाती हरियाणा और राजस्थान में पहले ही छलनी कर दिया है यहां करीब 30 पहाड़ियां पहले ही खनन की भेंट चढ़ चुकी है। यह एक सो मीटर का नहीं बल्कि एक सो पीढ़ियों का सवाल है। विकास की वो परिभाषा खतरनाक है जो आज की सुख सुविधा के लिए आने वाले भविष्य को अंधकार में डाल देता है ।

ईशान किशन के लिए एक और खुशखबरी, विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 के लिए झारखंड की करेंगे कप्तानी

एडिलेड (एजेंसी)। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) ने घोषणा की है कि स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन आगामी विजय हजारे ट्रॉफी एलीट (वीएचटी) 2025/26 सत्र के लिए झारखंड टीम के कप्तान होंगे। वीएचटी 2025/26 सत्र 24 दिसंबर से शुरू होगा, जिसमें झारखंड का पहला मैच अहमदाबाद में कर्नाटक के खिलाफ खेला जाएगा। किशन के अलावा, वीएचटी 2025-26 सत्र के लिए झारखंड टीम में कुमार कुशाग्र, अनुकूल रॉय, रॉबिन मिंज, अभिनव शरण और विराट सिंह भी शामिल हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी 2025/26 के लिए झारखंड टीम- इशान किशन (विकेटकीपर और कप्तान), विराट सिंह, उत्कर्ष सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर और उप-कप्तान), रॉबिन मिंज, अनुकूल रॉय, शरणदीप सिंह, शिखर मोहन, पंकज कुमार (विकेटकीपर), बाला कृष्णा, एमडी कौनैन कुरैशी, शुभ शर्मा, अमित कुमार, मनीषी, अभिनव शरण, सुशांत मिश्रा, विकास सिंह, सौरभ शेखर, राजनदीप सिंह, शुभम सिंह.

झारखंड के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) 2025/26 में शानदार प्रदर्शन करते हुए ईशान ने टीम को पहली बार एसएमएटी खिताब दिलाया। उन्होंने 10 पारियों में 57.44 के असाधारण औसत से 517 रन बनाए, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल थे। खास बात यह है कि उन्होंने हरियाणा के खिलाफ फाइनल में 101 रनों की मैच-विनिंग पारी खेलकर अपनी टीम को ट्रॉफी दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

SMAT में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद, किशन को ICC पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम में वापस जगह मिली है। संजू सैमसन के बाद किशन को दूसरे विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में भारतीय टीम में शामिल किया गया है। सूर्यकुमार यादव आगामी टी20 विश्व कप में 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी करेंगे। टी20आई टीम के उप-कप्तान रहे शुभमन गिल को फिटनेस और फॉर्म संबंधी चिंताओं के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है, और अक्षर पटेल उप-कप्तानी की भूमिका में लौट रहे हैं।

नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स: राफेल नडाल की मौजूदगी में लर्नर टिएन बने चैंपियन

हांगझू (एजेंसी)। जेद्दाह-अमेरिकी युवा टेनिस खिलाड़ी लर्नर टिएन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स का खिताब अपने नाम कर लिया। रविवार को किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी में खेले गए फाइनल मुकाबले में टिएन ने बेल्जियम के अलेक्जेंडर ब्लॉकक्स को 4-3(4), 4-2, 4-1 से हराया। इस यादगार मुकाबले के दौरान स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल भी स्टेडियम में मौजूद रहे।

पिछले साल खिताब से चूकने के बाद इस बार टिएन ने दमदार वापसी की। टूर्नामेंट की शुरुआत उनके लिए आसान नहीं रही थी। राउंड-रॉबिन चरण में स्पेन के राफेल जोडर के खिलाफ पहले मैच में वह चार मैच प्वाइंट का फायदा नहीं उठा सके और सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने जबरदस्त जुझारूपन दिखाते हुए ग्रुप स्टेज के बाकी दोनों मुकाबले एक सेट से पिछड़ने के बावजूद जीत लिए।

नॉकआउट चरण में टिएन ने अपने खेल का स्तर और ऊंचा उठाया और एक भी सेट गंवाए बिना फाइनल तक का सफर तय किया। खिताब जीतने के साथ ही वह स्टेफानोस सितसिपास (2018) और कार्लोस अल्काराज (2021) के बाद यह टूर्नामेंट जीतने वाले तीसरे टॉप सीड खिलाड़ी बने। इसके अलावा, वह ब्रैंडन नकाशिमा (2022) के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे अमेरिकी खिलाड़ी भी बने।

फाइनल में बाएं हाथ के टिएन ने महज 58 मिनट में क्लच और आक्रामक खेल का बेहतरीन नमूना पेश किया, जिसकी झलक कभी 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता राफेल नडाल के खेल में देखने को मिलती थी। हालांकि ब्लॉकक्स ने पहले सेट में एक भी फर्स्ट सर्व मिस नहीं की, लेकिन टाईब्रेक में टिएन ने धैर्य बनाए रखा और पहला सेट अपने नाम किया। इसके बाद उन्होंने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया और आसानी से खिताब जीत लिया।

खिताब जीतने के बाद टिएन ने कहा, 'मैं पिछले एक साल से इस ट्रॉफी को उठाने का इंतजार कर रहा था। इस साल मैंने कई ऐसे लक्ष्य हासिल किए, जिन्हें मैं पाना चाहता था। मेरे पास लक्ष्यों की एक लंबी सूची थी और उनमें से अधिकतर पूरे कर पाया। मैं वाकई बहुत खुश हूं।'

इसी सप्ताह विजय हजारे ट्रॉफी में उतरेंगे रोहित और विराट

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली इसी माह 24 और 25 दिसंबर से विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते नजर आयेंगे। इन दोनो ने ही हाल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। अब इन दोनो का लक्ष्य विजय हजारे ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर टीम में अपनी जगह बनाये रखना रहेगा। भारतीय टीम को अगले साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ भी खेलना है। ये दोनो ही उसमें भी बेहतर प्रदर्शन कर साल 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए दौड़ में बने रहना चाहेंगे।

इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास के बाद से ही ये दोनों केवल एकदिवसीय में ही खेल रहे हैं। ऐसे में इन दोनो को ही लय में बने रहने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेलू क्रिकेट खेलने की सलाह दी है। इसी कारण 24 दिसंबर को रोहित मुंबई के लिए जबकि 25 से विराट दिल्ली की तरफ से खेलते नजर आएंगे!

वहीं ये भी कहा जा रहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जाने वाली एकदिवसीय सीरीज से रोहित और विराट को आराम दिया जा सकता है।

बीसीसीआई ने सारे खिलाड़ियों को लिए घरेलू क्रिकेट में खेलना अनिवार्य कर दिया है। जब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं चल रहा हो तो खिलाड़ियों को घरेलू मैच में खेलना होगा। बोर्ड के बनाए नियम में केवल चोटिल खिलाड़ियों को राहत मिलेगी। ऐसे में रोहित और विराट को भी एक दशक से अधिक समय के बाद घरेलू क्रिकेट खेलने को मजबूर होना पड़ा है। इसका एक कारण ये भी है एकदिवसीय मैच काफी कम होते हैं जिससे इन्हें अभ्यास के लिए घरेलू मैच खेलना जरुरी हो गया है।

शुभमन गिल को टी20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर करने पर पूर्व सिलेक्टर हैरान, इसकी उम्मीद नहीं कर रहे थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप से पहले भारतीय टीम के चयन ने क्रिकेट जगत में बड़ी बहस छेड़ दी है। उप-कप्तान शुभमन गिल को 15 सदस्यीय टीम से बाहर किए जाने का फैसला कई दिग्गजों के लिए चौंकाने वाला रहा। भारत के पूर्व कप्तान और पूर्व चयन समिति अध्यक्ष क्रिस श्रीकांत ने इस फैसले पर खुलकर हैरानी जताई और कहा कि उन्हें चयनकर्ताओं से ऐसे साहसिक कदम की उम्मीद नहीं थी। हालांकि, उन्होंने इसके बावजूद मौजूदा चयन समिति की सराहना भी की।

शुभमन गिल को बाहर करने पर श्रीकांत की हैरानी

क्रिस श्रीकांत ने कहा कि शुभमन गिल को टीम से बाहर किया जाना उनके लिए 'बड़ा झटका' था। उनके मुताबिक जब किसी खिलाड़ी को उप-कप्तान बनाया जाता है, तो यह साफ संकेत होता है कि टीम मैनेजमेंट उस पर भरोसा कर रहा है। ऐसे में बड़े टूर्नामेंट की पूर्व संध्या पर गिल को बाहर करना भारतीय क्रिकेट में बहुत कम देखने को मिलता है। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब शो में कहा कि वह इस फैसले की उम्मीद नहीं कर रहे थे, खासकर तब जब गिल हाल ही में टेस्ट और वनडे टीम में नेतृत्व की जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

चयन समिति के फैसले की तारीफ

हालांकि अपनी हैरानी के बावजूद श्रीकांत ने अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति की तारीफ की। उन्होंने कहा कि चयनकर्ताओं ने एक ÷शानदार÷ और संतुलित टीम चुनी है, जो आधुनिक टी20 क्रिकेट की मांगों के अनुरूप है। उनका मानना है कि चयन समिति ने भावनाओं से ऊपर उठकर प्रदर्शन और टीम कॉम्बिनेशन को प्राथमिकता दी। श्रीकांत के अनुसार, यह फैसला भले ही कठोर लगे, लेकिन लंबे समय में टीम के लिए फायदेमंद हो सकता है।

टी20आई में गिल का प्रदर्शन बना कमजोर कड़ी

शुभमन गिल का टी20 अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड उनके खिलाफ गया। उन्होंने 15 टी20ढ्ढ मैचों में 140 से कम के स्ट्राइक रेट से 291 रन बनाए, जो एक टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज से अपेक्षित आक्रामकता नहीं दिखाता। टी20 फॉर्मेट में तेज रन बनाने की जरूरत होती है और यहीं पर गिल पिछड़ते नजर आए। उनकी मौजूदगी के कारण भारत को संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की सफल ओपनिंग जोड़ी को तोड़ना पड़ा, जो टीम के संतुलन पर असर डाल रहा था।

अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन को बढ़त

श्रीकांत ने साफ कहा कि टी20 क्रिकेट में अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन, गिल से आगे नजर आते हैं। अभिषेक शर्मा को उन्होंने 'दुनिया का नंबर वन' तक कह दिया, जबकि संजू सैमसन और ईशान किशन विकेटकीपर-बल्लेबाज़ का उपयोगी विकल्प देते हैं। उनके मुताबिक, ईशान किशन की वापसी ने टीम को आक्रामक शुरुआत और अतिरिक्त

फ्लेक्सिबिलिटी दी है, जो बड़े टूर्नामेंट में अहम भूमिका निभा सकती है।

गिल को करना होगा इंतजार

श्रीकांत ने यह भी कहा कि शुभमन गिल की काबिलियत पर कोई शक नहीं है। वनडे और टेस्ट क्रिकेट में उनका रिकॉर्ड शानदार है, खासकर विदेशी परिस्थितियों में। लेकिन टी20 क्रिकेट में उन्हें अभी खुद को साबित करना होगा। पूर्व कप्तान के अनुसार, गिल को अब धैर्य रखना होगा और जब भी मौका मिले, टी20 फॉर्मेट में अपनी स्ट्राइक रेट और प्रभाव को बेहतर बनाना होगा।

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन एशेज के बचे हुए मैचों में नहीं खेल पायेंगे

एडिलेड । ऑस्ट्रेलिया के स्टार स्पिनर नाथन लियोन हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए दो टेस्ट मैचों में नहीं खेल पायेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम 26 दिसंबर से इंग्लैंड के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में उतरेगी। इससे लियोन पूरी तरह से बाहर हो गये हैं। इसका कारण है कि एडीलेड टेस्ट में लियोन की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। इसी कारण वह मैच में पूरे समय गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। तीसरे टेस्ट में फील्डिंग करते समय लियोन ने एक गेंद को रोकने के लिए छलांग लगाई। इसके बाद ही उन्हें दर्द शुरु हो गया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के एक प्रवक्ता ने कहा कि लियोन की चोट ऑस्ट्रेलिया के लिए एक बड़ा झटका है। लियोन ने तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इंग्लैंड की दूसरी पारी में तीन विकेट ओर दोनो पारियों को मिलाकर पांच विकेट लिए थे। उन्होंने तब विकेट लिए जब इंग्लैंड की टीम तेजी से 435 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही थी।

हरमनप्रीत 350 मैच खेलने वाली पहली भारतीय व विश्व की दूसरी महिला क्रिकेट बनी

विशाखापट्टनम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 350 मैच खेलने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर बन गईं हैं। हरमनप्रीत ने यह उपलब्धि श्रीलंका के खिलाफ पहले ही टी20 मुकाबले में हासिल की। हरमनप्रीत ने साल 2009 में पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू किया था और इसके बाद से ही वह वह लगातार आगे बढ़ती रही हैं। अपनी बल्लेबाजी के साथ ही कप्तानी कौशल से वह भारतीय महिला क्रिकेट की एक प्रमुख स्तंभ बनकर उभरी हैं। वह महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ियों की सूची में दूसरे नंबर पर हैं। वहीं सबसे अधिक मैच खेलने का रिकार्ड न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम है। बेट्स ने 355 मैच खेले हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी ने 347 मैच खेले हैं। हरमनप्रीत ने अपने करियर में कई मैच विजेता पारियां खेली हैं। उन्होंने साल 2017 विश्वकप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 171 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली थी। इस पारी को महिला क्रिकेट की सर्वश्रेष्ठ पारियों में शामिल किया गया है। इसके अलावा उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने आईसीसी विश्वकप जीता है। हरमनप्रीत ने 350 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 183 टी20, 161 एकदिवसीय और 9 टेस्ट शामिल हैं। इस दौरान उन्होंने तीनों प्रारुपों को मिलाकर 8 शतक के साथ ही कुल 8000 से ज्यादा रन बनाये हैं। वहीं गेंदबाजी के दौरान इस बल्लेबाज ने 75 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए हैं।

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को तीसरे टेस्ट में 323 रनों से हराया, तीन मैचों की सीरीज 2-0 से जीती

माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के अंतिम मुकाबले में मेहमान वेस्टइंडीज को बड़े अंतर से हराया। यह मैच टेस्ट सीरीज का न केवल आखिरी बल्कि निर्णायक मुकाबला भी था। माउंट माउंगानुई के बे ओवल मैदान में खेले गए मुकाबले में कीवी टीम ने हर विभाग में शानदार खेल दिखाया और 323 रनों से जीत दर्ज की।

मैच में टॉस जीतकर न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम ने पहली पारी में 8 विकेट पर 575 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। कप्तान टॉम लैथम ने 137 रन की अहम पारी खेली, जबकि उनके साथी ओपनर डेवोन कॉन्वे ने शानदार 227 रन बनाए। कॉनवे ने इस पारी में दोहरा शतक लगाया और टेस्ट क्रिकेट में एक नया रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

जवाब में वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में 420 रन पर सिमट गई। इस दौरान क्रेम हॉज ने शतक लगाकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन बाकी

बल्लेबाज ज्यादा देर टिक नहीं सके। न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में एक बार फिर अपने ओपनिंग बल्लेबाजों के बेजोड़ प्रदर्शन के चलते 2 विकेट खोकर 306 रन बनाए और पारी घोषित कर दी। इस बार भी कप्तान टॉम लाथम ने 101 रन और डेवोन कॉन्वे ने 100 रन की शतकीय पारी खेली, जिससे वेस्ट इंडीज पर दबाव और बढ़ गया। 462 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम दूसरी पारी में सिर्फ 138 रन पर ही ढेर हो गई। इस दौरान जैकब डफी ने पांच विकेट लेकर अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 42 रन देकर पांच विकेट हासिल किए। एजाज पटेल ने भी अच्छा साथ देते हुए 32 ओवर में 21 मेडन ओवर फेंके और केवल 23 रन देकर तीन विकेट हासिल किए।

मैच की खास बातें यह रहीं कि डेवोन कॉन्वे ने एक ही टेस्ट मैच में दोहरा शतक और शतक दोनों लगाए। टॉम लैथम ने भी दोनों पारियों में शतक जड़कर कप्तानी पारी खेली। डेवोन कॉन्वे को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। वहीं, वेस्टइंडीज की ओर से क्रेम हॉज का शतक ही एकमात्र बड़ी उपलब्धि रहा। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने दोनों पारियों में समय पर विकेट लेकर टीम को आसान जीत दिलाई।

इसके साथ ही न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज को 2-0 से अपने नाम कर लिया है। सीरीज का पहला मैच ड्रा रहा था, जिसके बाद मेजबान टीम ने लगातार दो टेस्ट अपने नाम किए और सीरीज को जीत लिया। पूरी सीरीज में शानदार प्रदर्शन के लिए जैकब डफी को प्लेयर ऑफ द सीरीज घोषित किया गया।

एस्टन विला ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराकर लगातार 10वीं जीत हासिल की

मैनचेस्टर (इंग्लैंड)। मॉर्गन रोजर्स के दो गोल की मदद से एस्टल विला ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-1 से हराकर खुद को इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट के खिताब की दौड़ में बनाए रखा। एस्टन विला की यह सभी प्रतियोगिताओं में लगातार दसवीं जीत है। वह ईपीएल की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है और शीर्ष पर काबिज आर्सेनल से केवल तीन अंक पीछे है। रोजर्स ने अपना पहला गोल 45वें और दूसरा गोल 57वें मिनट में किया। यूनाइटेड के लिए एकमात्र गोल मैथियस कुन्हा ने किया। इस तरह से एस्टन विला का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। उसने लीग में अपने पिछले 12 मैचों में से 11 में जीत हासिल की। यह हार यूनाइटेड के लिए एक और झटका है। वह अपने पिछले आठ मैचों में से केवल दो में जीत हासिल कर पाया है और वह तालिका में सातवें स्थान पर है।

अंडर-19 एशिया कप जीतकर मालामाल हुई पाकिस्तान टीम, प्रत्येक खिलाड़ी को मिलेंगे एक-एक करोड़ रुपए

कराची । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने सोमवार को अपने देश की अंडर-19 एशिया कप विजेता टीम के प्रत्येक खिलाड़ी के लिए एक करोड़ रुपए के विशेष नकद पुरस्कार की घोषणा की। पाकिस्तान की युवा टीम ने रविवार को दुबई में खेले गए फाइनल में भारत को 191 रन से हराकर खिताब जीता था। शरीफ ने इस्लामाबाद में टीम और उसके सहयोगी स्टाफ के लिए आयोजित किए गए स्वागत समारोह में यह घोषणा की। टीम के मेंटोर (मार्गदर्शक) और मैनेजर सरफराज अहमद ने स्वागत समारोह के बाद मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री ने प्रत्येक खिलाड़ी को एक करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। इससे पहले रिपोर्टों के अनुसार पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने एशिया कप जीतने वाली जूनियर टीम के खिलाड़ियों के लिए 50-50 लाख रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की है।

हॉकी इंडिया का बड़ा ऐलान : आगामी लीग के लिए फैंस को मिलेंगे मुफ्त टिकट

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने हॉकी इंडिया लीग (HIL) 2025-26 को लेकर बड़ा ऐलान करते हुए बताया है कि आगामी सीजन के मुकाबलों के लिए दर्शकों को मुफ्त टिकट उपलब्ध कराए जाएंगे। इसका मकसद देश के अलग-अलग शहरों में हॉकी के प्रति फैंस की भागीदारी बढ़ाना और खेल को और अधिक लोकप्रिय बनाना है। महिला हॉकी इंडिया लीग की शुरुआत 28 दिसंबर से रांची में होगी और यह टूर्नामेंट 10 जनवरी तक चलेगा। वहीं, पुरुष हॉकी इंडिया लीग का आगाज 3 जनवरी से चेन्नई में होगा, जिसके बाद मुकाबले 11 जनवरी से रांची में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का अंतिम चरण हॉकी के गढ़ माने जाने वाले भुवनेश्वर में 17 से 26 जनवरी के बीच आयोजित होगा। रांची चरण के लिए Hero HIL के टिकट आज सुबह 11 बजे से उपलब्ध करा दिए गए हैं, जबकि चेन्नई में होने वाले पुरुषों के मुकाबलों के टिकट बुधवार सुबह 11 बजे से मिलेंगे। पिछली बार की तरह इस बार भी हॉकी इंडिया देश के हर कोने तक हॉकी पहुंचाने और इसे अधिक सुलभ बनाने के अपने लक्ष्य पर कायम है। हॉकी इंडिया लीग की गवर्निंग कमेटी के चेयरपर्सन दिलीप तिर्की ने कहा, 'हमने एक बार फिर फैसला किया है कि चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में होने वाले सभी मुकाबलों के लिए हॉकी प्रेमियों को मुफ्त टिकट दिए जाएंगे। महिला लीग रांची में होगी, जबकि पुरुषों की लीग तीन शहरों में खेली जाएगी। हमारा उद्देश्य स्टेडियम को उन फैंस से भरना है जो अपने पसंदीदा सितारों को खेलते देखना चाहते हैं। इस सीजन में दुनिया के कई शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा लेंगे और हमें शानदार हॉकी देखने की उम्मीद है।' गवर्निंग कमेटी के सदस्य भोला नाथ सिंह ने भी इसी तरह की बात कहते हुए कहा, 'Hero HIL एक महीने तक चलने वाला हॉकी का उत्सव होगा। हम सभी हॉकी प्रेमियों को #HockeyKaJashn देखने के लिए आमंत्रित करते हैं। हमारा लक्ष्य पूरे देश में हॉकी का फैनबेस बढ़ाना है और हमें उम्मीद है कि इस सीजन में सभी स्टेडियम खचाखच भरे रहेंगे।' इस साल की हॉकी इंडिया लीग में आठ पुरुष टीमें और चार महिला टीमें हिस्सा लेंगी। नए और रिवैम्प्ड फॉर्मेट के साथ दोनों लीग में तेज रफ्तार और रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे, जिससे फैंस को पूरे एक महीने तक शानदार हॉकी का आनंद मिलेगा।

2023 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में मिली हार से दुखी होकर संन्यास लेना चाहता था: रोहित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है साल 2023 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में मिली हार से वह हताश थे और उन्होंने खेल से संन्यास का फैसला कर लिया था। तब वह इतने दुखी थे और उन्हें लगा था कि इस खेल ने उनसे सब कुछ छीन लिया है। तब भारतीय टीम ने सभी मैच जीतकर फाइनल में जगह बनायी थी पर वहां उसे ऑस्ट्रेलिया ने हरा दिया था। तब ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने शतक लगाकर भारतीय टीम के हाथ आयी जीत छीन ली थी। रोहित ने एक कार्यक्रम में कहा कि फाइनल के बाद उन्हें लगा था कि अब मुझे नहीं खेलना चाहिये क्योंकि इसने मुझसे सब कुछ छीन लिया है और मुझे लगा कि मेरे पास कुछ भी नहीं बचा है। इस सदमे से उबरने में मुझे कुछ समय लगा था। मैं अपने को याद दिलाता था कि यही वह खेल है, जिससे मुझे असल में प्यार है। यह चीज मेरे पास है और मैं इसे इतनी आसानी से नहीं छोड़ सकता। इसके बाद धीरे-धीरे मैं इस झटके से उबर गया। मैंने अपनी खोई हुई ताकत वापस हासिल की और फिर से मैदान पर उतर गया। उन्होंने माना कि उस हार से हर कोई दुखी था और हमें भरोसा नहीं हो रहा था कि अचानक ही क्या हुआ है। मेरे लिए तो कप्तान होने के कारण यह बहुत कठिन दौर था क्योंकि मैंने उस विश्व कप के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया था। विश्व कप से पहले ही नहीं, बल्कि साल 2022 में कप्तानी संभालने के बाद से ही मैं उसके लिए तैयारी कर रहा था.

रोहित ने टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है और अब वह एकदिवसीय में ही खेलते हैं। उनका लक्ष्य 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक टीम में बने रहना और उसे जीतना है।

रोहित ने कहा, 'मेरा एकमात्र लक्ष्य विश्व कप जीतना था, चाहे वह टी-20 विश्व कप हो या 2023 में एकदिवसीय विश्व कप इसलिए जब ऐसा नहीं हो पाया तो मैं पूरी तरह से निराश हो गया था। मेरे शरीर में बिल्कुल भी शक्ति नहीं बची थी। मुझे इससे उबरने और वापसी करने में कुछ माह लग गये थे।'

भारतीय टीम ने इसके बाद उनकी कप्तानी में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए 2024 के टी20 विश्व कप में खिताब जीता था पर वह नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली हार से इसके बाद भी नहीं उबर पाये।

रोहित ने कहा, 'जब आप किसी चीज को हासिल करने के लिए अपनी सारी ताकत लगा देते हैं और फिर

आपको मनचाहा परिणाम नहीं मिलता है तो दुखी होना एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया होती है. मेरे साथ भी ठीक यही हुआ, लेकिन मुझे यह भी पता था कि जीवन यहीं खत्म नहीं होता, इससे सबक लेते हुए हमने टी20 विश्वकप जीता।'

मैंने प्यार किया फेम भाग्यश्री पर चढ़ा बनारस का रंग

90 के दशक की सुपरहिट फिल्म मैंने प्यार किया फेम भाग्यश्री सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। अभिनेत्री हाल ही में बनारस की सैर पर थी। शनिवार को अभिनेत्री ने घाट की शानदार तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में अभिनेत्री गंगा घाट पर आनंद लेती नजर आ रही हैं। उन्होंने पोस्ट कर एक मजेदार कैप्शन लिखा, बनारस की सुबह। यहां की सुबह कुछ अलग ही होती है। यहां पर सुकून और शांति मिलती है, जैसे सभी नदियों में गंगा का पानी सबसे खास हो। यहां आकर इंसान खुद को भूल जाता है और नाविक आपको गंगा पार कराकर आपसे ही आपकी पहचान करा देता है। उन्होंने आगे लिखा, बनारस की हर सुबह अलग होती है। आज मौसम बादलों से घिरा था, इसलिए सूरज की पहली किरणें नहीं दिखीं। फिर भी यह अनुभव बहुत शांत और अद्भुत था। फैंस को अभिनेत्री का ये पोस्ट काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन में खुलकर अपना प्यार लुटा रहे हैं। वहीं एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, गंगा मैया चे विस्तिर्ण पात्र, निर्मळ पाणी 'गंगा तेरा पानी अमृत, झर झर बहता जाए, युग युग से इस देश की धरती, तुझसे जीवन पाए। अभिनेत्री ने अपने करियर में भले ही कुछ ही फिल्मों में काम किया हो, लेकिन दर्शकों के दिलों में वे आज भी मौजूदगी दर्ज करवाती हैं।

सोनू के टीटू की स्वीटी के इस सीन के अमिताभ बच्चन हुए फैन

कार्तिक आर्यन की सोनू के टीटू की स्वीटी का एक आइकॉनिक वॉकिंग सीन एक बार फिर चर्चा में है और इस बार वजह बने हैं खुद सदी के महानायक अमिताभ बच्चन। सालों पहले फिल्म में दिखा यह शांत लेकिन बेहद असरदार पल अब दोबारा सुर्खियों में आ गया है, जब अमिताभ बच्चन ने 'कौन बनेगा करोड़पति' के सेट पर इस सीन को याद करते हुए कार्तिक की तारीफ की। महानायक ने बातचीत के दौरान फिल्म का ज़िक्र करते हुए बताया कि कार्तिक का एक खास शॉट उनके ज़हन में आज भी बसा हुआ है। यह वही आखिरी सीन है, जहां कार्तिक का किरदार बिना एक भी शब्द बोले, सिर्फ खामोशी के साथ वहां से चला जाता है और भावनाएं खुद-ब-खुद सामने आ जाती हैं। उस पल को याद करते हुए अमिताभ बच्चन ने कहा, 'मैं आपको बताऊं, मुझे आपका कौन सा शॉट याद है। आप लास्ट शॉट में एकदम सीरियस होकर खड़े होते हो। बस आपको 'ना' बोलना होता है। पर आप 'ना' नहीं बोलते। आप चुप-चाप चलकर आते हो... और निकल जाते हो।' परफॉर्मेंस की इस सादगी और संयम की तारीफ करते हुए बिग बी ने इसे एक शब्द में समेटते हुए 'असाधारण' बताया। अमिताभ बच्चन की इस टिप्पणी ने दर्शकों के दिल को छू लिया। सोशल मीडिया पर फैंस ने एक बार फिर उस सीन को देखा और उसकी भावनात्मक गहराई की सराहना की। ऐसे दौर में, जहां ज़ोरदार डायलॉग्स और ओवर-द-टॉप क्लाइमेक्स आम हो चुके हैं, कार्तिक का यह साइलेंट मोमेंट यह याद दिलाता है कि कभी-कभी खामोशी ही सबसे ज़्यादा बोलती है। भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े आइकॉन से मिली इस खास सराहना के बीच, कार्तिक आर्यन अब अपनी अगली फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की तैयारी में जुटे हैं, जो क्रिसमस पर रिलीज़ होने वाली है। ऐसे में फेस्टिव सीज़न में दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

तमन्ना भाटिया ने 16 साल की उम्र में डेब्यू

आज बॉलीवुड और साउथ की टॉप एक्ट्रेस में शुमार

कातिलाना अदाएं, जबरदस्त अदाकारी और गजब का कॉन्फिडेंस... बॉलीवुड हो या साउथ इंडस्ट्री, हर जगह अपनी पहचान बनाने के लिए इन तीन चीजों की जरूरत पड़ती ही है। ऐसे में किसी ने शब्दों को सच कर दिखाया है तो वो हैं तमन्ना भाटिया। यूं तो इंडस्ट्री में हसीनाओं की कमी नहीं है, लेकिन तमन्ना ने बेहद कम समय में अपनी एक्टिंग, डांसिंग और बेमिसाल फैशन सेंस से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। उन्होंने सिर्फ साउथ में ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड में भी अपना सिक्का मनवाया है।

तमन्ना का जन्म 21 दिसंबर 1989 को मुंबई में हुआ। बहुत कम उम्र में ही उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। महज 16 साल की उम्र में उन्होंने अपनी पहली हिंदी फिल्म 'चांद सा रोशन चेहरा' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। तमन्ना ने जल्द ही साउथ इंडस्ट्री की ओर रुख किया और वहां अपनी मेहनत और टैलेंट से खुद को साबित किया। तमिल और तेलुगु फिल्मों में उन्होंने कई हिट फिल्में दीं और जल्दी ही टॉप एक्ट्रेस बन गईं। 2013 में उन्होंने बॉलीवुड में 'हिम्मतवाला' से वापसी की। तमन्ना की खूबसूरती, अदाएं और स्टाइल हर किसी के दिल को छू जाती हैं। आज की रात', 'नशा' और 'पिया के बाजार' जैसे आइटम सॉन्ग्स में उन्होंने अपने शानदार डांस मूव्स से दर्शकों को दीवाना बना दिया। इसके अलावा, वह 'बाहुबली' और 'बाहुबली 2' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं, जिनमें उनकी एक्टिंग और प्रेजेंस ने सबका ध्यान खींचा। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी तमन्ना ने अपनी छाप छोड़ी। 'जी करदा' और 'आखिरी सच' जैसी वेब सीरीज में उनकी एक्टिंग को काफी सराहा गया। इन दोनों सीरीज के लिए उन्हें बॉलीवुड हंगामा ओटीटी इंडिया फेस्ट में 'बेस्ट फीमेल एक्टर ऑफ द ईयर' का अवॉर्ड भी मिला।

अनुपम खेर ने इस बात के लिए की करीना कपूर की तारीफ

अभिनेता अनुपम खेर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। वह अक्सर अपनी जिंदगी से जुड़ी अपडेट साझा करते रहते हैं। हाल ही में वह अभिनेत्री करीना कपूर से एक फ्लाइट में मिले। उन्होंने करीना के साथ तस्वीरें ली और इसे इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेता ने करीना के बारे में कई बातें लिखी हैं।

करीना कपूर के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए अनुपम खेर ने पोस्ट में लिखा 'फ्लाइट में करीना कपूर के साथ। मैं बेबो से साल 2000 में 'रिफ्यूजी' के सेट पर मिला था। यह उनकी डेब्यू फिल्म थी। वह बेहद खूबसूरत, आत्मविश्वासी होने के साथ-साथ थोड़ी नाजुक भी थीं। वह बड़ा मुकाम हासिल करने के लिए बेचैन थीं। एक इंसान के तौर पर वह कमाल की हैं! कई वर्षों में उन्होंने बहुत तरक्की की है।'

अच्छे रोल की तलाश में करीना कपूर

अनुपम खेर ने आगे लिखा 'बीते कल हम एक ही फ्लाइट में थे। हमने कई चीजों के बारे में बातें कीं। 25 वर्षों के बाद यह जानकर अच्छा लगा कि वह अच्छे रोल की तलाश में हैं। वह एक बेहतरीन इंसान हैं और उन्हें बात करना पसंद है। मेरी तारीफ करने के लिए करीना कपूर आपका बहुत शुक्रिया। इतने वर्षों बाद मैं वैसा ही दिखता हूं। भगवान आपको और आपके परिवार को सुखी रखे। आपको प्यार और आपके लिए दुआएं।'

'शक्तिमान' के लिए मुकेश खन्ना ने रणवीर सिंह को कहा था 'ना'

मुकेश खन्ना ने फिल्म 'शक्तिमान' के लिए रणवीर सिंह को मना कर दिया था, हालांकि अब उनकी फिल्म 'धुरंधर' की कामयाबी के बाद उनकी तारीफ की है। अभिनेता मुकेश खन्ना ने 'धुरंधर' के बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन प्रदर्शन करने पर तारीफ की है। उन्होंने 'धुरंधर' को परफेक्ट फिल्म बताया है। उन्होंने फिल्म के कलाकारों रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना की भी तारीफ की है। आइए जानते हैं अभिनेता ने फिल्म के बारे में और क्या कहा है? मुकेश खन्ना ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा 'यह परफेक्ट और कमर्शियल फिल्म है, जो जनता को पसंद आएगी। हर डिपार्टमेंट ने अपना बेस्ट काम किया है, चाहे वह अभिनय हो, निर्देश हो, एक्शन हो, सिनेमैटोग्राफी हो या लेखन हो। सबने अपना बेस्ट दिया है, इसलिए आप इस फिल्म को हर तरह से 'धुरंधर' कह सकते हैं।'

मुकेश खन्ना ने की रणवीर सिंह की तारीफ

रणवीर सिंह की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा 'हां, मैं इस फिल्म 'धुरंधर' के हीरो रणवीर सिंह की तारीफ करना चाहूंगा। आप कहेंगे, 'आपने उन्हें शक्तिमान का रोल नहीं करने दिया'। हो सकता है मैंने उन्हें शक्तिमान का रोल देने से मना किया हो, लेकिन वह एक अच्छे एक्टर हैं। मैं यह हमेशा कहता हूं।' ख्याल रहे मुकेश खन्ना बॉलीवुड फिल्मों में अपनी बेहतरीन अदाकारी के साथ टीवी सीरियल 'शक्तिमान' से काफी मशहूर हुए।

उर्मिला मातोंडकर ने छोड़ी एक्टिंग?

51 साल की अभिनेत्री ने अफवाहों पर दिया रिएक्शन

एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर ने 1977 की फिल्म 'कर्म' में एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर एक्टिंग डेब्यू किया था। 1991 में, उन्होंने 'नरसिम्हा' से लीड रोल में डेब्यू किया। इसके बाद वह 'रंगीला', 'जुदाई', 'कौन', 'भूत' और 'पिंजर' जैसी फिल्मों में नजर आईं। हालांकि, वह कई वर्षों से स्क्रीन से दूर हैं, जिससे दर्शकों को लगता है कि उन्होंने शायद फिल्म इंडस्ट्री छोड़ दी है। फिल्म से दूरी बनाने की अफवाहों पर उर्मिला ने अपनी बात रखी है। फिल्मों से दूरी बनाने की अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए उर्मिला मातोंडकर ने एचटी से कहा, 'जब मेरे काम की बात आती है, तो मैं हमेशा सेलेक्टिव रही हूं। अगर किसी को लगा कि शायद मैं फिल्में नहीं कर रही हूं या कुछ और, तो मैं किसी को दोष नहीं दे सकती। हालांकि ऐसा कभी नहीं था। मैं इस समय सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।'

ओटीटी पर काम करना चाहती हैं उर्मिला

उर्मिला ने यह भी बताया कि वह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने कहा 'अब सेट पर वापस जाने और फिर से धमाल मचाने का समय आ गया है।' उर्मिला ने बताया कि वह किस तरह के रोल करना चाहती हैं, 'मैं ऐसे रोल ढूंढ रही हूं जो मैंने पहले नहीं किए हैं, खासकर ओटीटी पर।

शेफाली शाह ने सुनाई वेकेशन की दास्तां

शिफॉन साड़ियां यशराज फिल्म में ही अच्छी लगती हैं

अभिनेत्री शेफाली शाह इन दिनों परिवार के साथ विदेश में छुट्टियां मना रही हैं। शेफाली ने मजाकिया अंदाज में बताया कि ठंड के मौसम में उन्हें मजेदार अनुभव और सबक मिले। शेफाली ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कीं और साथ में मजेदार अंदाज में छुट्टियों के बारे में भी बताया। शेफाली ने लिखा, 'पहले मैं ठंड में जम गई थी, अब पिघल रही हूं। ठंड में प्यार नहीं, बल्कि थर्मल कपड़े ही गर्म रखते हैं। पुराने थर्मल का साथ कभी न छोड़ें और हां, बर्फ पर गिरने का खतरा ज्यादा होता है। आप ठंड के समय में छुट्टियों पर निकलें और आपके साथ कोई ऐसा शख्स न हो जो दस्ताने, फोन, स्कार्फ संभाल सके, तो मुश्किल और भी बढ़ जाती है।' शेफाली शाह ने यशराज फिल्म्स का जिक्र करते हुए आगे कहा, 'शिफॉन साड़ियां तो यशराज फिल्मों में अच्छी लगती हैं, रियल लाइफ में नहीं, क्योंकि ठंड में उंगलियां जाती हैं। ठंड को हल्के में न लें। यहां कम-ज्यादा नहीं, बल्कि ज्यादा लेयरिंग करें। हो सके तो जैकेट के नीचे 64 थर्मल लेयर पहन लें। जो लोग सर्दी के कपड़ों में स्टाइलिश दिखते हैं, वो शेफाली तो पक्का नहीं हो सकते हैं। अच्छे कपड़े या गर्म रहकर जिंदा रहना, मैंने दूसरे का चुनाव किया। स्नो पैंट स्टाइल के लिए नहीं, बल्कि गीला होने से बचाने के लिए होते हैं, इसलिए जरूर पहनें। एक आउटफिट तैयार करने में तीन घंटे लग जाते हैं - लेयरिंग, जूते के फीते बांधना, दस्ताने उतारना-पहनना और आखिर में पता चलना कि अंदर की थर्मल लेयर भूल गए।' एक्ट्रेस ने आगे बताया,' पुराने स्नो शूज न पहनें, नहीं तो 'सोल लेस' हो जाएंगे। हील वाले बूट सेक्सी हैं, लेकिन भद्दे कपड़े पहनकर जिंदा रहना बेहतर है। स्टाइलिश कपड़ों में ठंड से बचाव नहीं हो सकता। '

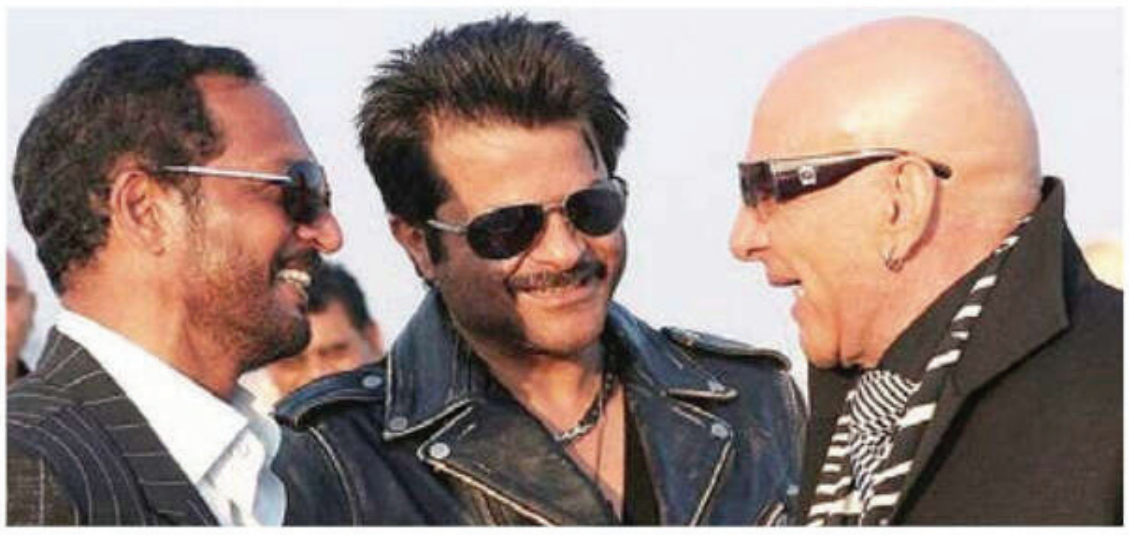

बिना आरडीएक्स के वेलकम अधूरी

फिल्म के 18 साल पूरे होने पर अनिल कपूर ने किया फिरोज को याद

बॉलीवुड की यादगार कॉमेडी फिल्मों में शामिल 'वेलकम' जैसी फिल्म को आज तक याद किया जाता है। मल्टीस्टार कास्ट से सजी इस फिल्म की खासियत यह रही कि हर किरदार ने अपनी अलग पहचान बनाई और अपनी अदाकारी से दर्शकों के दिलों में जगह बना ली। चाहे 'मेरी एक टांग नकली है, मैं हॉकी का बहुत बड़ा खिलाड़ी था' जैसे डायलॉग से हंसी बटोरने वाले मुश्ताक खान हों या फिर 'देखो वो जिंदा है' कहकर याद रह जाने वाली सुप्रिया कार्निक, फिल्म का हर किरदार आज भी लोगों को याद है। अब जब इस कॉमेडी क्लासिक के 18 साल पूरे हो चुके हैं, तो अभिनेता अनिल कपूर ने फिल्म से जुड़े अपने पुराने साथी और दिवंगत अभिनेता-निर्माता फिरोज खान को याद करते हुए उनसे जुड़ी यादों को साझा किया है। वेलकम फिल्म के 18 साल होने पर अनिल कपूर ने फिल्म से जुड़ी पुरानी यादों को ताजा किया है और फिल्म के सुपरहिट होने का श्रेय भी दिवंगत फिरोज खान को दिया है। अभिनेता ने फिल्म की पुरानी फोटोज को शेयर कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'वेलकम के 8 साल। यह फिरोज खान साहब के लिए है। आरडीएक्स के बिना 'वेलकम' अधूरी थी, ठीक वैसे ही जैसे मोगैम्बो के बिना 'मिस्टर इंडिया' अधूरा थी। दोनों की जगह कोई नहीं ले सकता। उन्होंने आगे लिखा, 'मुझे स्क्रिप्ट सुनते समय याद है, मैं सोच रहा था कि यह कैसी बनेगी। पिक्चर यहीं रुक जाती है, बैठ जाती है। अनीस भाई ने कहा, 'चिंता मत करो, फिरोज साहब पिक्चर संभाल लेंगे,' और उन्होंने ऐसा ही किया। आरडीएक्स ने फिल्म को ऊपर उठा दिया।

साभार एजेंसी

योगी सरकार ने शीतकालीन सत्र में अनुपूरक बजट पेश किया

लखनऊ (एजेंसी)। योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में दोनों सदनों में अनुपूरक बजट पेश किया। अनुपूरक बजट में विकासपरक क्षेत्रों को प्राथमिकता मिली है। योगी सरकार ने कैबिनेट से पास कराने के बाद वित्तीय वर्ष 2025-26 का पहला अनुपूरक बजट पेश किया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सदन में बजट प्रस्तुत किया, जिसका कुल आकार 24,496.98 करोड़ रुपये है। यह मूल बजट (आठ लाख, आठ हजार करोड़ रुपये) का करीब 3.03 प्रतिशत है। अनुपूरक बजट को कैबिनेट से पास कराने के बाद दोपहर में सदन में पेश किया। अगले वर्ष होने वाले पंचायत चुनाव के मद्देनजर अनुपूरक बजट में सरकार ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ी योजनाओं के लिए धनराशि दी है। एक्सप्रेसवे परियोजनाओं के कार्यों के लिए भी धनराशि के साथ लोक निर्माण विभाग को भी सड़क परियोजनाओं के लिए राशि प्रदान की। ग्राम्य विकास, धर्मार्थ कार्य व पर्यटन स्थलों के विकास के लिए भी सरकार अनुपूरक बजट में धनराशि दी है। इस अनुपूरक बजट का मुख्य उद्देश्य मौजूदा योजनाओं में अपर्याप्त प्रावधानों को पूरा करना, नई आवश्यकताओं को पूरा करना और विकास कार्यों को बिना रुकावट के आगे बढ़ाना है। इसमें राजस्व व्यय के लिए 18,369.30 करोड़ रुपये और पूंजीगत व्यय के लिए 6,127.68 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

साइबर ठगों ने वाहन चालान के नाम पर लगाया 2.37 लाख का चूना

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। साइबर फ्रॉड गिरोह के शातिर बदमाशों ने बसंतपुरपट्टी निवासी सुजीत कुमार के खाते में सेंध लगा दी। साइबर ठगों ने वाहन चालान के नाम एक संदिग्ध एपीके फाइल भेजा। इस पर क्लिक कर मोबाइल हैक हो गया। इसके बाद शातिरों ने उनके फ्लिपकार्ट अकाउंट और क्रेडिट कार्ड का उपयोग कर करीब 2.37 लाख की ऑनलाइन शापिंग कर डाली। पीड़ित के अनुसार, उनके मोबाइल पर वाहन चालान कटने का एक संदेश आया था। संदेश के साथ एक लिंक दिया गया था, इस आधिकारिक समझकर जैसे ही उन्होंने क्लिक किया, मोबाइल काम करना बंद कर दिया। मोबाइल हैक करने के बाद शातिरों ने क्रेडिट कार्ड्स का विवरण हासिल कर खरीदारी शुरू कर दी। क्रेडिट कार्ड से 1 लाख 36 हजार 248 और 70 हजार 298 रुपये की दो बार में शॉपिंग की। इसके बाद दूसरे क्रेडिट कार्ड से 30 हजार 386 की शॉपिंग की। तीसरे क्रेडिट कार्ड से 70 हजार 298 की शॉपिंग की गई। ऑर्डर कैंसिल होने के कारण यह राशि वापस आ गई। 2.37 लाख रुपये ठगी के बाद पीड़ित ने साइबर थाने में प्राथमिकी कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और ट्रांजैक्शन डिटेल्स के जरिए शातिरों तक पहुंचने की कोशिश में जुटी है।

गणतंत्र दिवस समारोह के चलते सुरक्षाबलों ने चलाया स्टेडियम के पास तलाशी अभियान

जम्मू (एजेंसी)। सुरक्षा बलों ने बख्शी स्टेडियम के आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान चलाया। बख्शी स्टेडियम कश्मीर में गणतंत्र दिवस समारोह का मुख्य आयोजन स्थल है। अमीराकदल और महाराजा बाजार के घनी आबादी वाले व्यावसायिक क्षेत्रों की कुछ आवासीय इकाइयों में विस्फोटक, हथियार और गोला-बारूद की तलाश के लिए खोजी कुत्तों और मेटल डिटेक्टर की मदद ली गई है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया कि अब तक सुरक्षा बलों को तलाशी में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि तोड़फोड़ विरोधी जांच और तलाशी अभियान बख्शी स्टेडियम के पास स्थित क्षेत्रों में चलाए गए जो कश्मीर में गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस समारोह का मुख्य स्थल है। लाल चौक स्थित ऐतिहासिक क्लॉक टावर अमीराकदल से कुछ ही दूरी पर स्थित है जहां तलाशी अभियान चलाया। क्लॉक टावर पिछले चार सालों में एक पर्यटन केंद्र में बदल गया है।

भारतीय नौसेना की जासूसी करने के मामले में तीसरा आरोपी भी पकड़ाया

बेंगलुरु (एजेंसी)। उडुपी पुलिस ने मालपे कोचीन शिपयार्ड से जुड़े कर्मचारियों ने भारतीय नौसेना से संबंधित संवेदनशील जानकारी लीक करने के मामले में तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि तीसरे आरोपी की पहचान गुजरात के आणंद जिले के कैलाश नगरी निवासी भरत कुमार खदयाट के पुत्र हिरेंद्र कुमार (34) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों पर अवैध वित्तीय लाभ के बदले नौसेना संचालन और प्रतिष्ठानों से संबंधित गोपनीय जानकारी को पाकिस्तान स्थित अपने संचालकों को भेजने का शक है। इससे पहले 21 नवंबर को पुलिस ने इस मामले में यूपी के रहने वाले रोहित और संत्री को गिरफ्तार किया था। तीनों आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। पुलिस इनसे पूछताछ कर जानकारी हासिल करेगी कि इन्होंने संवेदनशील जानकारी किसको पहुंचाई।

यूक्रेनी सेना की कैद में भारतीय छात्र... मां को भेजा वीडियो संदेश, पीएम मोदी से मदद की गुहार

अहमदाबाद (एजेंसी)। यूक्रेनी सेना की कैद से गुजरात के एक छात्र साहिल मोहम्मद हुसैन ने वीडियो संदेश भेजा है। इसमें भारतीय युवाओं से किसी भी परिस्थिति में रूसी सेना में शामिल न होने की अपील की गई है। भारतीय छात्र हुसैन का आरोप है कि रूस में एक झूठे ड्रग्स मामले में फंसाकर ब्लैकमेल किया और जबरन रूसी सेना में शामिल होने के लिए मजबूर किया। हुसैन को यूक्रेन में अभी कहा रखा गया हैं इसकी कोई पुख्ता जानकारी नहीं है। यूक्रेनी सुरक्षा बलों ने हुसैन के वीडियो गुजरात में उसकी मां को भेजा। इसके बाद मां ने बेटे की सुरक्षित वापसी के लिए दिल्ली की अदालत में याचिका दायर की है। इस मामले की अगली सुनवाई फरवरी में होगी। वीडियो में हुसैन कह रहा हैं कि मैं 2024 में पढ़ाई के लिए रूस आया था। लेकिन आर्थिक और वीजा संबंधी समस्याओं के कारण मैं कुछ रूसियों के संपर्क में आया, जो बाद में नशीले पदार्थों के धंधे से जुड़े निकले। रूस में कम से कम 700 लोगों को ड्रग्स के आरोप में जेल में डाला गया। लेकिन जेल प्रशासन ने सिर्फ मुझे ही ऑफर दिया कि अगर मैं रूसी सेना में शामिल होता हूं, तब ड्रग्स केस वापस ले लिया जाएगा। मैंने उनकी बात मानकर 15 दिनों के प्रशिक्षण के बाद सीधे युद्ध के मोर्चे पर भेज दिया गया। मोर्चे पर पहुंचते ही मैंने सबसे पहले यूक्रेनी सेना के सामने आत्मसमर्पण किया। अब मैं उनके कब्जे में हूं। लेकिन रूस आने वाले युवाओं के लिए मेरा संदेश है, 'सावधान रहें'। यहां बहुत से ठग हैं जो आपको झूठे ड्रग्स केस में फंसा सकते हैं। मैं भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करता हूं, कृपया मेरी मदद करें। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन हाल ही में भारत आए थे। मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि मेरी सुरक्षित घर वापसी के लिए पुतिन से बात करें।

तोदी महाविद्यालय में तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

स्थानीय श्री भगवानदास तोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सोमवार से तीन दिवसीय अंतर्सदन खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. एन. एस. नाथावत, प्रशासक प्रमेंद्र सिंह शेखावत एवं सचिव आशकरण शर्मा द्वारा खेल - ध्वजारोहण व राष्ट्रगान के साथ किया गया।प्राचार्य डॉ. एन. एस. नाथावत ने स्वागत भाषण में खिलाड़ियो को अनुशासन के साथ साथ खेल को खेल भावना से खेलने और स्वस्थ शरीर एवं मानसिक विकास के लिए अपने जीवन में किसी एक खेल को शामिल करने हेतु प्रेरित किया।जबकि प्रशासक प्रमेंद्र सिंह शेखावत ने अपने खेल से संबंधित अनुभव साझा किए एवं खिलाड़ियों को निरंतर प्रयास करते रहने तथा उत्साहपूर्वक खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु शुभकामनाएं दी। महाविद्यालय सचिव आशकरण शर्मा ने भी जीवन में खेल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। श्री पंकज शर्मा द्वारा खिलाड़ियों को खेल की शपथ दिलाई, जिसके पश्चात विधिवत रूप से आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के दौरान प्रथम दिन छात्रा वर्ग में आयोजित खो -खो प्रतियोगिता में कल्पना चावला सदन की टीम विजेता तथा सरोजनी नायडू सदन की टीम उपविजेता रही। जबकि छात्र वर्ग में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में गांधी सदन विजेता तथा रमन सदन की टीम उपविजेता रही।खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन शारीरिक शिक्षक लिछमण सिंह, सुरेन्द्र सिंह एवं स्टाफ सदस्य पंकज शर्मा के सहयोग से किया गया जिसमें समस्त स्टाफ सदस्यों ने भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस दौरान खिलाड़ियों के साथ साथ भारी संख्या में मौजूद

विद्यार्थियों ने खेल प्रतियोगिताओं का लुत्फ उठाया एवं खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ आनन्द शर्मा के द्वारा किया गया। प्राचार्य ने बताया कि शेष गतिविधियों का आयोजन आगामी दो दिनों में पूर्ण होने के पश्चात खेल के अंतिम दिन पुरुस्कार वितरण समारोह भी आयोजित किया जाएगा।

एकता पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेल प्रतियोगिता का शानदार आगाज

खेल को खेल की भावना से खेल खिलाड़ी- राव ईश्वर सिंह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटीय

सुमेर मीणा । कस्बे में किरोड़ी रोड पर स्थित एकता पब्लिक स्कूल के खेल मैदान में वार्षिक खेल प्रतियोगिता का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय अध्यक्ष राव ईश्वर सिंह के द्वारा फीता काट के किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य, शिक्षकगण, अभिभावक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह

में विद्यार्थियों ने आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। निदेशक संतोष सिरोहीने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास के लिए आवश्यक हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व गुण भी विकसित करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना से प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। आज के दिन अभिभावकों के लिए रस्सा कश, दौड़, क्रिकेट आदि खेल संपन्न हुए। प्रतियोगिता के अंतर्गत कबड्डी, खो-खो, दौड़, लंबी कूद तथा फुटबॉल जैसी विभिन्न खेल स्पर्धाएँ आयोजित की जाएँगी। प्रधानाचार्य ने सफल आयोजन के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। खेल प्रतियोगिता कोच श्री तरुण मिश्रा एवं पीटीआई मनीष सैनी है।

अरावली बचाने के लिए कोई भी कुर्बानी देने को तैयार

मनसा माता की पहाड़ियों से आंदोलन का आगाज, अरावली बचाओ जीवन बचाओ ब्रिगेड बनाने का ऐलान

अरावली की रक्षा के लिए संत महात्मा आए आगे, घुमक्कड़ जाती के लोग भी हुए आंदोलन में शामिल

अरावली उजड़ी तो हमारा जीना ही बेकार आखरी सांस तक लड़ेंगे

अरावली मुहिम में सहयोग नहीं करने वाले नेताओं को पहाड़ी क्षेत्र में नहीं घुसने देंगे

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । अरावली पर्वतमाला पर लगातार बढ़ते खतरों के खिलाफ अब शेखावाटी की जनता ने निर्णायक संघर्ष का रास्ता चुन लिया है।अरावली बचाओ-जीवन बचाओ संघर्ष समिति के आह्वान पर रविवार को शेखावाटी की सबसे विशाल व ऐतिहासिक अरावली पर्वतमाला स्थित मनसा माता गेट, खोह से जन-संघर्ष की औपचारिक शुरुआत कर दी गई। अभियान की शुरुआत मनसा माता के दरबार में दर्शन-पूजन एवं आशीर्वाद लेकर की गई, जिसमें सर्व समाज की बड़ी भागीदारी रही। इस जन-संकल्प कार्यक्रम में ग्रामीणों, युवाओं, महिलाओं,

सामाजिक कार्यकर्ताओं, भावी जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ साधु-संतों का विशेष सानिध्य भी रहा। साधु-संतों ने अरावली क्षेत्र में हो रहे अवैध खनन और प्रकृति के विनाश पर गहरी नाराज़गी प्रकट करते हुए कहा कि अरावली का विनाश केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि धर्म, संस्कृति और मानव भविष्य का विनाश है। अब संत समाज चुप नहीं बैठेगा। सर्व समाज की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता आदिवासी श्री मीन सेना प्रदेशाध्यक्ष सुरेश मीणा किशोरपुरा ने कहा कि अरावली केवल पहाड़ नहीं, यह हमारी जल-जीवन रेखा है। अरावली रहेगी तभी जल, जंगल और जन-जीवन सुरक्षित रहेगा। विकास के नाम पर अरावली का विनाश किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट द्वारा अरावली को लेकर दी गई नई परिभाषा के बाद आमजन में फैले भ्रम पर चिंता जताते हुए कहा कि इसी भ्रम का फायदा उठाकर खनन माफिया सक्रिय हो गए हैं, जिसे अब जन-आंदोलन के माध्यम से रोका जाएगा। सरपंच प्रतिनिधि बाबूलाल फौजी तथा शीशराम खलवा ने चेतावनी देते हुए कहा कि अरावली की 90 प्रतिशत से अधिक पहाड़ियाँ आज खतरे में हैं। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को जल संकट, पर्यावरण असंतुलन और आजीविका के संकट का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि अरावली संरक्षण को लेकर प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन भेजा जा चुका है और नीतिगत हस्तक्षेप की मांग की गई है। संघर्ष समिति ने स्पष्ट किया कि यह अभियान केवल खोह तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि मनसा माता, मालखेत, जीण, हर्ष पर्वत सहित पूरी अरावली श्रृंखला को बचाने के लिए चरणबद्ध रूप से चलाया जाएगा। समिति ने ऐलान किया कि शेखावाटी में पर्यावरण बचाने के लिए जनता सड़कों पर उतरेगी। आयोजन कर्ता ब्रह्मदत मीणा गुड़ा तथा महिपाल खलवा ने बैठक में अवैध खनन पर पूर्ण प्रतिबंध, 100 मीटर की परिभाषा पर पुनर्विचार, स्थानीय ग्राम पंचायतों को संरक्षण में भागीदार बनाने तथा अरावली को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने जैसी प्रमुख मांगें उठाई गईं।कार्यक्रम में मौजूद हजारों लोगों ने एक स्वर में अरावली बचाओ, जीवन बचाओ के नारे लगाते हुए जन-संकल्प लिया कि यह लड़ाई अब रुकने वाली नहीं है। अंत में निर्णय लिया गया कि आने वाले दिनों में हस्ताक्षर अभियान, जनसभाएं, पदयात्राएं और प्रशासन को ज्ञापन देकर अरावली संरक्षण की मांग को और अधिक तेज किया जाएगा। इस अवसर पर तुरन्त नाथ, बाबूलाल फौजी, शीशराम खलवा, ब्रह्मदत मीणा गुड़ा, महिपाल गुर्जर, रणवीर गुर्जर, विनोद कुमावत, रविन्द्र शर्मा, रामसिंह शेखावत, दीपक मीणा, दाताराम गुर्जर, पिंटु खलवा , उदयसिंह, रामस्वरूप गुर्जर, अनिल गुर्जर, सांवरमल कुमावत, रामसिंह खटाणा, अभिजीत सिंह राठौड़, सीताराम सेन,सकील ,नरेश खलवा, शीशराम खटाणा, जयसिंह मीणा,पंकज मीणा सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

सेठश्री भगवती प्रसाद बाजोरिया की पुण्य स्मृति में जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए कंबल वितरण आज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

अखिल भारतीय युवा अग्रवाल सम्मेलन के तत्वाधान में कामाख्या लाल बाजोरिया चैरिटेबल ट्रस्ट शिलोंग के सौजन्य से सेठ श्री भगवती प्रसाद बाजोरिया के पुण्य स्मृति में जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित होगा। यह जानकारी देते हुए ट्रस्ट प्रतिनिधि गोविंद जाजोदिया एवं अग्रवाल सम्मेलन के युवा प्रदेश महामंत्री संदीप बजाज ने बताया कि बैरागड़ा भवन में मंगलवार 23 दिसंबर को शाम 4:30 बजे कार्यक्रम किया जाएगा जिसमें लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद केंद्रीय इकाई के उपाध्यक्ष एवं अग्रसेन धाम कोलकाता के अशोक चूड़ीवाला एवं अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय मंत्री विष्णु भूत विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में जरूरतमंद व्यक्तियों को कंबल वितरण की जाएगी।

भागवत के बयान पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश का पलटवार... गृहमंत्री पटेल ने गुरु गोलवलकर से क्या कहा था?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और महासचिव जयराम रमेश ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत के उस बयान की निंदा की, जिसमें उन्होंने आरएसएस के गठन के कारण और सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा दिए गए निर्देशों पर सवाल उठाया था। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि सरदार पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया था। देश के पहले गृहमंत्री पटेल ने गुरु गोलवलकर से क्या कहा था? आप एक गुप्त संगठन हैं। एक संस्था बनिए। पारदर्शिता लाइए। गुप्त रूप से काम मत कीजिए। यह सरदार पटेल का आरएसएस को लिखा पत्र है।

कांग्रेस नेता रमेश ने आरएसएस की इस बात पर आलोचना की कि संगठन ने 50 वर्षों से अधिक समय तक अपने नागपुर मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया, ध्वज संहिता में बदलाव के बाद ही 2002 में फिर से शुरू किया।

इसके अलावा, रमेश ने संघ की विचारधारा पर सवाल उठाकर 26 नवंबर, 1949 को भारत के संविधान को अपनाने के कुछ दिनों बाद रामलीला मैदान में अंबेडकर, सरदार पटेल, जवाहरलाल नेहरू और महात्मा गांधी के पुतले जलाने की घटना का जिक्र किया। उन्होंने पूछा, किस विचारधारा ने ऐसा माहौल बनाया, जिसके कारण महात्मा गांधी की हत्या हुई?

उन्होंने पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसद और कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश का जिक्र किया, जिनसे जब पूछा गया कि गांधी या गोडसे? तब उन्होंने कहा, मुझे सोचना पड़ेगा, फिर भी उन्हें टिकट मिला और जिताया गया। उन्होंने कहा कि इसतरह के लोग राष्ट्रवाद के प्रमाण पत्र बांटने में व्यस्त हैं। उनकी ये टिप्पणियां आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत के उस बयान के बाद आईं, जिसमें उन्होंने कहा था कि आरएसएस एक कट्टर राष्ट्रवादी संगठन है।

कोलकाता में आरएसएस 100 व्याख्यान माला कार्यक्रम को संबोधित कर संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि संघ हमेशा से यह तर्क देता आया है कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है, क्योंकि यहां की संस्कृति और बहुसंख्यक लोगों का हिंदू धर्म से जुड़ाव है। हालांकि, धर्मनिरपेक्ष शब्द मूल रूप से संविधान की प्रस्तावना का हिस्सा नहीं था, लेकिन इस तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लागू आपातकाल के दौरान संविधान (42वां संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा समाजवादी शब्द के साथ जोड़ा गया था।

जांच हुई तेज- मुख्यमंत्री नीतीश को धमकी देने वाला पाकिस्तानी गैंगस्टर भट्टी पुलिस की रडार पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सोशल मीडिया के जरिए धमकी देने वाले पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के खिलाफ पटना पुलिस ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। एक मिनट का वीडियो जारी कर मुख्यमंत्री को सीधे तौर पर धमकाने वाले इस गैंगस्टर की तलाश के लिए पुलिस अब तकनीकी साक्ष्यों का सहारा ले रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि शहजाद भट्टी वर्तमान में कहां छिपा है और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उसकी सक्रियता का क्या स्वरूप है।

इस गंभीर मामले की जांच के लिए पटना पुलिस ने फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी को आधिकारिक ई-मेल भेजकर विस्तृत जानकारी मांगी है। पुलिस ने विशेष रूप से यह पूछा है कि गैंगस्टर ने यह विवादित वीडियो पाकिस्तान के किस शहर या स्थान से अपलोड किया था। सोशल मीडिया

कंपनियों से उस अकाउंट का आईपी एड्रेस और लॉगिन हिस्ट्री भी मांगी गई है, ताकि उसकी सटीक लोकेशन का पता लगाया जा सके। साइबर थाने में इस संबंध में पहले ही प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है और पुलिस को अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जवाब का इंतजार है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी कमान पटना के आईजी जितेंद्र राणा खुद संभाल रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जैसे ही तकनीकी रिपोर्ट प्राप्त होगी, जांच के आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। यह पूरा विवाद हाल ही में मुख्यमंत्री सचिवालय में आयोजित एक कार्यक्रम से शुरू हुआ, जहां आयुष चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र बांटे जा रहे थे। इस कार्यक्रम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ था, जिसमें एक महिला चिकित्सक नुसरत परवीन के हिजाब को लेकर मुख्यमंत्री की टिप्पणी पर विवाद खड़ा हो गया था। इसी घटना को आधार बनाकर पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी ने वीडियो संदेश जारी किया। उसने मुख्यमंत्री को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की धमकी देते हुए कहा कि एक उच्च पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा महिला के साथ ऐसा व्यवहार करना निंदनीय है। गैंगस्टर ने अपने संदेश में चेतावनी दी थी कि यदि मुख्यमंत्री ने माफी नहीं मांगी, तो इसके परिणाम अच्छे नहीं होंगे। फिलहाल पुलिस इस अंतरराष्ट्रीय धमकी के पीछे के नेटवर्क को खंगालने में जुटी है।

हसीना बोलीं- यूनुस ने हिंसा की आग में झौंक दिया बांग्लादेश, ऐसे तो नामोनिशान मिट जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में पिछले कई दिनों से जारी हिंसा और विरोध प्रदर्शनों के बाद सड़कों पर शांति भले ही लौटती दिख रही हो, लेकिन राजनीतिक गलियारों में कड़वाहट और आरोप-प्रत्यारोप का दौर चरम पर है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश की वर्तमान अंतरिम सरकार और उसके मुखिया मोहम्मद यूनुस पर सीधा प्रहार किया है। भारत में प्रवास के दौरान दिए गए अपने एक विस्तृत साक्षात्कार में उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि बांग्लादेश में व्याप्त अराजकता और अस्थिरता के लिए पूरी तरह से मोहम्मद यूनुस जिम्मेदार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी सरकार को गिराने के लिए जिस कानूनहीनता का सहारा लिया गया था, वह अब यूनुस प्रशासन के तहत कई गुना बढ़ चुकी है।

भारत और बांग्लादेश के बीच बढ़ते राजनयिक तनाव पर चिंता व्यक्त करते हुए शेख हसीना ने कहा कि रिश्तों में आई यह खटास वर्तमान अंतरिम सरकार की नीतियों का परिणाम है। उनके अनुसार, यूनुस प्रशासन लगातार भारत विरोधी बयानबाजी कर रहा है और देश के भीतर धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पूरी तरह विफल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार ने चरमपंथी तत्वों को विदेश नीति तय करने की खुली छूट दे दी है, जिससे पड़ोसी देशों के साथ दशकों पुराने भरोसेमंद रिश्तों पर बुरा असर पड़ा है। अवामी लीग की नेता ने हाल ही में एक हिंदू युवक की नृशंस हत्या का उदाहरण देते हुए कहा कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा देश की सांप्रदायिक सद्भावना को नष्ट कर रही है।

शेख हसीना ने भारत को बांग्लादेश का सबसे पुराना और विश्वसनीय साझेदार बताते हुए विश्वास जताया कि दोनों देशों के बीच के ऐतिहासिक संबंध किसी भी अस्थायी सरकार के कार्यकाल से कहीं अधिक मजबूत और गहरे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि जब बांग्लादेश में पुनः कानून का राज स्थापित होगा, तब दोनों देश एक बार फिर उसी समझदारी और सहयोग की ओर लौटेंगे, जिसे उनकी सरकार ने पिछले 15 वर्षों में सींचा था। अपने विरुद्ध चल रहे कानूनी मुकदमों और ट्रिब्यूनल के फैसलों पर उन्होंने कहा कि ये तमाम कार्रवाइयां न्याय के लिए नहीं, बल्कि उन्हें राजनीतिक रूप से समाप्त करने की एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा हैं। उन्होंने शिकायत की कि उन्हें अपना पक्ष रखने या अपनी पसंद का वकील चुनने का उचित अवसर तक नहीं दिया गया।

आगामी चुनावों की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए शेख हसीना ने चेतावनी दी कि अवामी लीग की भागीदारी के बिना होने वाला कोई भी चुनाव लोकतांत्रिक निर्वाचन नहीं, बल्कि केवल एक ताजपोशी बनकर रह जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी को जनता ने नौ बार जनादेश दिया है, उसे प्रतिबंधित करने की कोशिश लाखों नागरिकों को उनके मताधिकार से वंचित करने जैसा है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि मतदाताओं को उनकी पसंदीदा पार्टी को वोट देने का मौका नहीं मिला, तो वे चुनाव प्रक्रिया का बहिष्कार करेंगे, जिससे नई सरकार की नैतिक वैधता समाप्त हो जाएगी।

अंत में, अपने प्रत्यर्पण की मांगों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने इसे दिशाहीन प्रशासन की हताशा बताया। शेख हसीना ने कठिन समय में शरण और सम्मान देने के लिए भारत सरकार और वहां के सभी राजनीतिक दलों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने अपना देश

केवल इसलिए छोड़ा ताकि और अधिक निर्दोष लोगों का खून न बहे। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह न्याय का सामना करने से नहीं डरतीं और उचित समय आने पर वे देश की लोकतांत्रिक बहाली के लिए अपनी भूमिका निभाएंगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com